संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-21 अंक- 226
पृष्ठ 8
बुधवार
07 मई 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- दूध के साथ कभी न करें नमकीन...

विचार- नफरत के खिलाफ खड़ी महिलाएं

खेल- सनराइजर्स हैदराबाद बाहर, अब भी...

देशभर में मॉकड्रिल की तैयारी

पीएम मोदी-एनएसए डोभाल के बीच हुई अहम बैठक

लोगों को सलाह दी जाएगी कि वे अपने पास नकदी रखें, ताकि मोबाइल डिवाइस और डिजिटल लेन-देन में बाधा उत्पन्न होने की स्थिति में वे अपने पास नकदी रख सकें। सूत्रों ने बताया कि नागरिकों को घर पर अतिरिक्त आपूर्ति, टॉर्च और मोमबत्तियाँ रखने के लिए कहा जाएगा।

नई दिल्ली, एजेंसी। देश भर में 244 स्थानों पर भारत सरकार ने मॉक ड्रिल का ऐलान किया है। 7 मई को देश के 244 स्थानों पर यह मॉक ड्रिल होनी है, जिसमें लोगों को यह बताया जाएगा कि किसी हमले या विपरीत स्थिति में कैसे खुद को बचाया जाए। केंद्र सरकार की ओर से सभी राज्यों के चीफ सेक्रेटरीज को जारी निर्देशों में पाकिस्तान का जिक्र नहीं किया गया है, लेकिन पहलगाम आतंकी हमले के बाद इसका आयोजन अहम है। 1971 के बाद पहली बार देश में इस तरह मॉक ड्रिल हो रही है। इस दौरान सायरन बजाए जाएंगे, कुछ देर के लिए ब्लैकआउट होगा और लोगों को निकालने का अभ्यास किया जाएगा।

आइए जानते हैं, इस ड्रिल में क्या-क्या होगा...

इस मॉक ड्रिल को होम मिनिस्ट्री के आदेश पर सभी राज्यों में किया जा रहा है। देश के उन 244 जिलों में यह ड्रिल होगी, जहां सिविल डिफेंस विभाग ऐक्टिव है। यह एक्सरसाइज गांव लेवल पर भी होनी है। आदेश में कहा गया है कि ऐसा इसलिए किया जाएगा ताकि परखा जा सके कि किसी भी आपदा या संकट की स्थिति में नागरिकों के स्तर पर कितनी तैयारी है। इस ड्रिल में सिविल डिफेंस वार्डन्स, वॉलंटियर्स, होम गार्ड्स, एनसीसी, एनएसएस के लोगों को शामिल किया जाएगा। इसके अलावा स्कूल और कॉलेजों के छात्र भी इसमें हिस्सा लेंगे। इसके अलावा नोटिफिकेशन में कहा गया है कि आम नागरिकों को भी प्रशिक्षण प्रदान किया जाए। इसका मतलब है कि आम नागरिकों को भी कुछ हद तक इसमें शामिल किया जा सकता है। होम मिनिस्ट्री ने सिक्योरिटी ड्रिल के 9 उद्देश्य बताए हैं। इसका पहला उद्देश्य यह है कि देश में एयर रेड वॉर्निंग सिस्टम की स्थिति का आकलन हो सके। इसके अलावा यह भी देखने की कोशिश होगी कि हवाई हमले की स्थिति में लोगों की क्या तैयारी है। इस ड्रिल के दौरान एयरफोर्स के साथ हॉटलाइन और रेडियो कॉम्युनिकेशन को भी चेक किया जाएगा। इसके अलावा कंट्रोल रूम और शैडो कंट्रोल रूम का भी आकलन किया जाएगा। नोटिफिकेशन में कहा गया है कि हम चाहते हैं कि आम नागरिकों और छात्रों की यह तैयारी रहे कि किसी भी आपदा की स्थिति में वे अपना बचाव कर सकें। ट्रेनिंग के दौरान ब्लैकआउट के दौरान कैसे बचाव किया जाएगा, उस पर भी तैयारी होगी। ब्लैकआउट की ड्रिल के दौरान लोग अपने घरों की लाइट्स को कुछ देर के लिए बंद कर देंगे। यही नहीं मॉक ड्रिल के दौरान एयरफील्ड्स, रिफाइनरीज एवं रेल यार्ड्स की सुरक्षा की भी ड्रिल की जाएगी। देश के जिन 244 जिलों में मॉक ड्रिल की तैयारी है, उनमें अंबाला, फरीदाबाद, गुरुग्राम, हिसार, पंचकूला, पानीपत, रोहतक, सिरसा, सोनीपत और यमुनानगर शामिल हैं। इसके अलावा गुजरात के अहमदाबाद, जामनगर, गांधीनगर, भावनगर, कांडला, अंकेलेश्वर, ओका शामिल हैं। जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग, बडगाम, बारामूला, डोडा, जम्मू, कारगिल,कठुआ, कुपवाड़ा, लेह, पुंछ, राजौरी, श्रीनगर, उधमपुर, सांबा, उरी, नौशेरा, सुंदरबनी और अवंतिपुर और अखनूर शामिल हैं। राजधानी दिल्ली में भी कई स्थानों पर यह मॉक ड्रिल होगी। उत्तर प्रदेश के तो सभी जिलों को इसमें शामिल किया गया है।

पुंछ में बस खाई में गिरी, जवान समेत चार यात्रियों की मौत, 44 घायल

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में एक बस सड़क से उतरकर गहरी खाई में गिर गई, जिसमें चार लोगों की मौत हो गई और 44 अन्य घायल हो गए। मृतकों में एक जवान भी शामिल है। बस घनी गांव से मेंढर जा रही थी, तभी मंगलवार सुबह करीब 9रू20 बजे चालक ने नियंत्रण खो दिया। स्थानीय लोगों ने तुरंत घटनास्थल पर बचाव अभियान शुरू किया और पुलिस, भारतीय सेना और सीआरपीएफ के जवानों ने उनकी मदद की। मृतकों की पहचान 45 वर्षीय मोहम्मद मजीद, 55 वर्षीय शकीला बेगम, 50 वर्षीय मोहम्मद हनीफ (तीनों घानी गांव निवासी) और 60 वर्षीय नूर हुसैन (कस्बलाड़ी निवासी) के रूप में हुई है। सेना का जवान मजीद असम में तैनात था और छुट्टी पर गांव आया हुआ था। मेंढर के ब्लॉक चिकित्सा अधिकारी अशफाक चौधरी ने कहा, दुर्घटना की सूचना मिलते ही हमने सभी 15 एम्बुलेंसों को तैनात कर दिया और पुलिस, सीआरपीएफ, सेना और स्थानीय स्वयंसेवकों की सक्रिय सहायता से घायलों को घटनास्थल से हटा दिया गया। हादसे पर शोक जताते हुए उपराज्यपाल मनोज सिन्हा और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने प्रभावित परिवारों के प्रति संवेदना प्रकट की। मुख्यमंत्री अब्दुल्ला ने राहत कार्यों की निगरानी के लिए अपने मंत्री और मेंढर के विधायक जावेद अहमद राणा को घटनास्थल पर भेजा। पराज्यपाल मनोज सिन्हा ने हादसे पर शोक जताते हुए कहा, पुंछ में हुए इस दुखद सड़क हादसे में जान गंवाने वालों के प्रति मेरी संवेदनाएं। दुख की इस घड़ी में मेरी प्रार्थनाएं पीड़ित परिवारों के साथ हैं। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने बस दुर्घटना पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने पीड़ितों को पूरी सहायता प्रदान करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा, ष्इस दुख की घड़ी में मैं शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करता हूँ। मैं सभी घायलों के शीघ्र और पूर्ण स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूँ।

एलओसी के पास आज फिर पकड़ा गया एक पाकिस्तानी नागरिक, भारत ने बढ़ा दी है अपनी चौकसी

जम्मू, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के पुंछ सेक्टर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) से एक पाकिस्तानी नागरिक को पकड़ा गया है। एएनआई ने एक सेना अधिकारी के हवाले से इस बात की जानकारी दी है। पाकिस्तान के साथ बढ़ते तनाव के बीच भारतीय सेना ने नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर अपनी चौकसी बढ़ा दी है। सुरक्षा बलों को हाई अलर्ट पर रखा गया है, संवेदनशील अग्रिम इलाकों में निगरानी बढ़ा दी गई है और सैनिकों की तैनाती की गई है। इससे पहले रविवार रात को सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने पंजाब के गुरदासपुर जिले में अवैध रूप से भारतीय क्षेत्र में घुसने के बाद 24 वर्षीय एक पाकिस्तानी नागरिक को पकड़ा था। बॉर्डर आउट पोस्ट (बीओपी) साहापुर के पास तैनात बीएसएफ के जवानों ने भारतीय क्षेत्र में करीब 250 मीटर अंदर फल्कू नाला के पास संदिग्ध गतिविधि देखी। घुसपैठिया, जिसकी बाद में पहचान पाकिस्तान के गुजरांवाला के हुसैन के रूप में हुई, घने जंगल में छिपा हुआ मिला। तेजी से कार्रवाई करते हुए, बीएसएफ ने अपनी त्वरित प्रतिक्रिया टीम (क्यूआरटी) के साथ इलाके की घेराबंदी की और उसे गिरफ्तार कर लिया। अधिकारियों ने कहा कि व्यक्ति के पास से पाकिस्तानी मुद्रा और एक राष्ट्रीय पहचान पत्र बरामद किया गया। उसे शुरुआती पूछताछ के लिए निकटतम सीमा चौकी पर लाया गया और आगे की जांच अभी चल रही है।

पहलगाम हमले में जान गंवाने वाले नेवी अफसर विनय नरवाल के परिवार से मिले राहुल गांधी, दीपेंद्र हुड्डा भी रहे मौजूद

करनाल, एजेंसी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को 26 वर्षीय नौसेना अधिकारी लेफ्टिनेंट विनय नरवाल के परिवार से मुलाकात की, जो 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकवादी हमले में मारे गए थे। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी दोपहर में करनाल पहुंचे। उनके साथ कांग्रेस सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा और अन्य पार्टी नेता भी थे। कांग्रेस ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, षविपक्ष के नेता राहुल गांधी हरियाणा के करनाल पहुंचे हैं। वह पहलगाम आतंकी हमले में शहीद हुए भारतीय नौसेना के अधिकारी लेफ्टिनेंट विनय नरवाल जी के परिवार से मिले। गांधी

का यह दौरा अनंतनाग जिले के पहलगाम के पास एक खूबसूरत घास के मैदान में हुए आतंकवादी हमले के मद्देनजर हो रहा है। इस हमले में कुल 26 लोगों की जान चली गई, जिनमें से ज़्यादातर पर्यटक थे। लेफ्टिनेंट नरवाल छुट्टी पर कश्मीर गए थे और हमले के समय अपनी पत्नी के साथ थे। उनकी शादी का रिसेप्शन कुछ दिन पहले ही 16 अप्रैल को हुआ था। पिछले महीने करनाल में उनका अंतिम संस्कार किया गया था, जिसमें उनके पिता राजेश नरवाल और मामा ने सैकड़ों शोकसभाओं के सामने समारोह का नेतृत्व किया था। उनके पिता ने कहा कि परिवार को सरकार पर भरोसा है और उन्हें न्याय की उम्मीद है। उन्होंने कहा, यह क्षति असहनीय और अपूरणीय है। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की पत्नी सुमन सैनी भी शोक सभा में शामिल होने के लिए नरवाल के परिवार से मिलने गईं।

आप के खिलाफ भाजपा का प्रदर्शन

केजरीवाल और पंजाब सरकार पर लगाया दिल्ली का पानी रोकने का आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी। भाजपा नेताओं और सदस्यों ने आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के आवास के बाहर पानी के मुद्दे पर विरोध प्रदर्शन किया। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि अरविंद केजरीवाल सरकार ने दिल्ली के लोगों की पानी की आपूर्ति रोक दी है। यहां की जनता ने उन्हें हरा दिया है, लेकिन अब वह दिल्ली के लोगों से बदला लेने के लिए यह सब कर रहे हैं, जो बहुत गलत है। अरविंद केजरीवाल को यह बताना चाहिए कि वह ऐसा क्यों कर रहे हैं। भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज ने कहा कि अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार ने दिल्ली के लोगों का पानी रोक दिया है। हम आज यहां दिल्ली के लोगों के अधिकारों की मांग करने आए हैं। भाजपा विधायक शिखा राय ने कहा कि हम यहां दिल्ली के लोगों के लिए पानी की मांग करने आए हैं, जिसे अरविंद केजरीवाल सरकार ने रोक दिया है, जो खुद को दिल्ली का बेटा कहते थे। हम दिल्ली के लोगों के अधिकार वापस चाहते हैं। दिल्ली में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार का दावा है कि पिछले एक हफ्ते से शहर को हरियाणा से मिलने वाली पानी की आपूर्ति में लगातार कमी आ रही है। दिल्ली के लोक निर्माण मंत्री प्रवेश वर्मा ने इस संकट के लिए आप और पंजाब सरकार को जिम्मेदार ठहराया है और आरोप लगाया है कि पानी की कमी दिल्ली विधानसभा चुनावों में पार्टी की हालिया हार का बदला लेने के लिए राजनीति से प्रेरित कदम है। वर्मा ने कहा कि पिछले एक हफ्ते से दिल्ली को हरियाणा से कम पानी मिल रहा है। यह स्थिति पंजाब सरकार और आम आदमी पार्टी की साजिश के कारण पैदा हुई है। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार और पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की अगुवाई वाली आप ने जानबूझकर पानी की आपूर्ति कम कर दी है। दिल्ली के जल मंत्री ने बताया कि भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड (बीबीएमबी) से दिल्ली को मिलने वाले पानी में 1 मई से 5 मई तक लगातार कमी आई है। उनके अनुसार, 1 मई को 88 क्यूसेक, 2 मई को 119 क्यूसेक, 3 मई को 71 क्यूसेक, 4 मई को 55 क्यूसेक और 5 मई को 130 क्यूसेक की कमी आई।

स्कॉर्पियो और ट्रैक्टर की टक्कर में आठ बाराती की मौत, दो घायल

कटिहार, एजेंसी। बिहार में कटिहार जिले के कुरसैला थाना क्षेत्र में स्कॉर्पियो और ट्रैक्टर के बीच हुयी टक्कर में आठ बाराती की मौत हो गयी तथा दो अन्य घायल हो गये। पुलिस सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि सोमवार की रात पूर्णिया जिले के बडहरा कोठी थाना क्षेत्र के ढिबरा बाजार से स्कॉर्पियो पर सवार दस बाराती कुर्सेला के नजदीक कोशकीपुर गांव में शादी समारोह में जा रहे थे। इस दौरान चांदपुर चौक के समीप स्कॉर्पियो अनियंत्रित होकर ट्रैक्टर से टकरा गयी।इस घटना में आठ बाराती की मौत हो गयी जबकि दो अन्य घायल हो गए। घायलों को समेली सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया, जहां प्राथमिक उपचार बे बाद उन्हें बेहतर इलाज के लिये रेफर कर दिया गया है। सूत्रों ने बताया कि मृतकों की पहचान रूपेश राज ,प्रिंस कुमार ,टुनटुन कुमार ,ज्योतिष कुमार ,सिको कुमार ,अजय कुमार ,राधा मंडल और धीरज पोद्दार के रूप में की गयी है। शवों को पोस्टमॉर्टम के लिये भेज दिया गया है।

खुफ़िया रिपोर्ट में आतंकी हमले की थी आशंका, पीएम ने किया था कश्मीर दौरा कैंसिल

पहलगाम पर खड़गे का बड़ा दावा

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने रांची में कहा कि केंद्र ने आतंकी हमले पर खुफिया रिपोर्ट होने के बाद भी पहलगाम में अधिक सुरक्षा कर्मी तैनात क्यों नहीं किए थे। उन्होंने सवाल करते हुए कहा कि जब केंद्र ने खुफिया नाकामी स्वीकार की है तो क्या पहलगाम हमले में लोगों की मौत के लिए उसे जवाबदेह नहीं ठहराया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि खुफिया विफलता है, सरकार ने इसे स्वीकार किया है और वे इसे हल करेंगे। अगर उन्हें यह पता था, तो उन्होंने कुछ क्यों नहीं किया? खड़गे ने आगे दावा किया कि मुझे जानकारी मिली है कि हमले से 3 दिन पहले, पीएम मोदी को एक खुफिया रिपोर्ट भेजी गई थी और इसलिए उन्होंने कश्मीर जाने का अपना कार्यक्रम रद्द कर दिया, मैंने यह एक अखबार में भी पढ़ा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान के खिलाफ किसी भी कार्रवाई के लिए सरकार के साथ खड़ी है, देश पार्टी से ऊपर है। खड़गे ने यह भी कहा कि हम भारत के लिए, गरीब जनता के लिए, आदिवासियों के लिए लड़ते हैं; भाजपा केवल जुमलों में विश्वास रखती है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नीति सार्वजनिक क्षेत्र के संस्थानों को बंद करने और एससी, एसटी तथा ओबीसी समुदायों से नौकरियां छीनने की है। उन्होंने कहा कि झारखंड में गठबंधन सरकार बनने के बाद पहली बार यहां आया हूं। मैं सभी झारखंडवासियों का तहेदिल से शुक्रिया अदा करता हूं। हम सबने आपकी वजह से बहुमत हासिल किया और आज झारखंड में एक मजबूत सरकार चल रही है।

योगी कैबिनेट की बैठक हुई संपन्न

यूपी के हर जिले में बनेगी स्मार्ट पार्किंग, कुल 11 प्रस्ताव पर लगी मोहर

लखनऊ, संवाददाता। सीएम योगी की अध्यक्षता में मंगलवर बैठक हुई। इस बैठक में प्रदेश के विकास से जुड़े कई अहम प्रस्ताव पर कैबिनेट द्वारा मंजूरी दी गई। इसमें स्मार्ट पार्किंग को लेकर कैबिनेट में प्रस्ताव पास हुआ। उत्तर प्रदेश के हर जिले में स्मार्ट पार्किंग बनेगी। इसके अलावा यूपी स्टेज कैरेज बस टर्मिनल, कॉन्ट्रैक्ट कैरेज और आल इंडिया टूरिस्ट बस पार्क (स्थापना और विनियमन) नीतिकृ2025 को मंजूरी दे दी। इसके तहत राज्य के सभी जिलों में निजी बस अड्डे खोले जा सकेंगे। वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में लिये गये निर्णयों की जानकारी देते हुए संवाददाताओं को बताया कि प्रदेश में लगातार बढ़ते सड़क सम्पर्क और मूलभूत ढांचे के विकास के साथ-साथ बसों की संख्या भी बहुत ज्यादा बढ़ गई है। उनकी पार्किंग के लिये होने वाली समस्या और आवश्यकता को देखते हुए आज एक विशेष नीति को मंजूरी दी गई है। इसमें विशेष रूप से निजी भागीदारी के माध्यम से यह व्यवस्था की जा रही है कि दो एकड़ जमीन पर निजी बस स्टैंड की व्यवस्था की जाए। उन्होंने बताया कि नई नीति के तहत जिलाधिकारी की अध्यक्षता में एक नियामक प्राधिकरण का

गठन किया जाएगा जो स्टेज कैरेज बस टर्मिनलों, कॉन्ट्रैक्ट कैरेज पार्कों और आल इंडिया टूरिस्ट बस पार्कों की स्थापना के लिये आवेदन आमंत्रित करेगा। वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने बताया कि नियामक प्राधिकरण में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकध्पुलिस अधीक्षक या आयुक्त क्षेत्रों में पुलिस आयुक्त द्वारा नामित अधिकारी, नगर आयुक्त या विकास प्राधिकरण के सचिव, नगर पालिकाध्नगर पंचायत के कार्यकारी अधिकारी, संबंधित उप-मंडल मजिस्ट्रेट, पुलिस के क्षेत्राधिकारी, सहायक क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन), परिवहन निगम के सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक, लोक निर्माण विभाग के कार्यकारी अभियंता और अध्यक्ष द्वारा नामित विषय विशेषज्ञ सदस्य के रूप में शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि इस नीति के तहत बस टर्मिनल या पार्क स्थापित करने की पात्रता के लिए आवेदक के पास कम से कम दो एकड़ जमीन, कम से कम 50 लाख रुपये की शुद्ध संपत्ति और पिछले वित्तीय वर्ष में दो करोड़ रुपये का कारोबार होना चाहिए। वित्त मंत्री ने बताया कि नीति में आवेदक द्वारा स्थापित किए जा सकने वाले टर्मिनलों की संख्या को राज्य भर में 10 से अधिक नहीं, एक जिले में दो से अधिक नहीं और एक ही मार्ग पर एक से अधिक नहीं रखा जा सकता है। निजी संस्थाओं को 10 वर्ष की अवधि के लिए परिचालन अधिकार दिए जाएंगे और संतोषजनक प्रदर्शन के आधार पर अगले 10 वर्षों के लिए नवीनीकरण की संभावना होगी। उन्होंने बताया कि ऐसे बस अड्डों का स्वामित्व किसी अन्य कानूनी संस्था को हस्तांतरित किया जा सकता है, लेकिन वह पंजीकरण प्रमाणपत्र जारी होने की तिथि से एक वर्ष के बाद ही हो सकेगा। विनियामक प्राधिकरण के पास ऑपरेटर को सुनवाई का अवसर प्रदान करने के बाद कुछ परिस्थितियों में प्राधिकरण को निलंबित या रद्द करने की शक्ति भी होगी।

जलनिगम जेई ने अपने जन्मदिन पर फांसी लगाकर दे दी जान, सुसाइड नोट में लिखी यह वजह

प्रयागराज। लखनऊ में इंदिरानगर सेक्टर–बी स्थित जल निगम कॉलोनी में प्रयागराज के जेई साकिब अहमद (34) ने अपने जन्मदिन पर फांसी लगा ली। उनके पास से मिले सुसाइड नोट में डिप्रेशन को सुसाइड की वजह बताया है। गाजीपुर पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। साकिब अहमद (34) प्रयागराज में जल निगम में जेई के थे। सोमवार को उनका जन्मदिन था। सात माह पहले मड़ियांव की सुबुल से उनकी शादी हुई थी। रविवार रात साकिब ससुराल गए थे, जहां से देर रात घर लौट आए थे। सुबह पास में रहने वाली बहन बुतुल साकिब से मिलने पहुंची तो दरवाजा अंदर से बंद था। कई आवाज देने के बाद भी कोई जवाब नहीं मिला तो उन्होंने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंचे पुलिसकर्मी दरवाजा तोड़कर कमरे में गए। वहां पंखे से रस्सी के फंदे के सहारे साकिब लटके थे। आनन–फानन में फंदे से उतारकर उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। साकिब के पास से एक सुसाइड नोट मिला है। इसमें लिखा है कि मैं डिप्रेशन में हूं। पांच दिन से सोया नहीं हूं। घुट–घुट कर जीने से अच्छा मैं खुद को खत्म कर लूं। हालांकि यह गलत है। मेरे शव को बहन की कब्र के बगल में दफनाया जाए। सबको माफ कर दिया है। इंस्पेक्टर गाजीपुर विकास राय ने कहा कि अभी कोई तहरीर नहीं मिली है।

एलएलबी के छात्र ने प्रयागराज में फांसी लगाकर दी जान

प्रयागराज। शिवकुटी थाना क्षेत्र के गोविंदपुर में एलएलबी के छात्र 24 वर्षीय सल्वंत चंद्रा ने सोमवार की देर शाम फांसी लगाकर जान दे दी। लॉज के कमरे के अंदर सल्वंत का फंदे से लटकता शव मिलने से अन्य छात्रों में खलबली मच गई। पुलिस ने कमरे की तलाशी ली, लेकिन कोई सुसाइड नोट नहीं मिला। पुलिस ने मृतक के परिजनों को सूचना देकर शव पोस्टमार्टम को भेजा। बहराइच के जरवल रोड थानांतर्गत ढोवाल पुरवा निवासी सल्वंत चंद्रा दो भाई व एक बहन में सबसे छोटा था। बड़े भाई लखनऊ में नौकरी करते हैं। सल्वंत गोविंदुपर स्थित एक लाज में रहता था। वह सोमवार को एलएलबी की परीक्षा देकर दोपहर में वापस लौटा था। शाम करीब सात बजे तक वह कमरे से नहीं निकला, तो बगल में रहने वाले दूसरे छात्रों ने उसे फोन किया। लेकिन, मोबाइल नहीं उठा। उसके भांजे देवेश ने दरवाजे पर दस्तक दी, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। लाज में रहने वाले अन्य छात्रों की मदद से दरवाजा तोड़कर जब सभी कमरे में दाखिल हुए तो सामने का दृश्य देखकर हतप्रभ रह गए। पंखे से नायलान की रस्सी के सहारे सल्वंत की लाश लटक रही थी। शिवकुटी पुलिस ने पहुंचकर कमरे की तलाशी ली और छात्रों से भी पूछताछ की, लेकिन आत्महत्या की वजह पता नहीं सका। उसके मोबाइल को पुलिस ने कब्जे में ले लिया। थाना प्रभारी रुकमपाल सिंह ने बताया कि अभी तक आत्महत्या की वजह पुष्ट नहीं सकी है। परिजनों के आने के बाद जानकारी ली जाएगी।

ट्रेन की चपेट में आने से मृत वृद्ध की हुई शिनाख्त

प्रयागराज। मनौरी रेलवे स्टेशन के पास तीन मई को ट्रेन की चपेट में आकर जान गंवाने वाले व्यक्ति की तीन दिन बाद शिनाख्त हो गई है। पूरामुफ्ती के फतेहपुर रोड निवासी रवि कुमार ने बताया कि उनके 55 वर्षीय पिता सुरेश कुमार लापता हो गए थे। काफी खोजबीन के बाद नहीं मिले, तो वह सोमवार को पोस्टमॉर्टम हाउस पहुंचे। वहां पर शव देखकर शव की पहचान की। तीन मई को मनौरी रेलवे स्टेशन के पास ट्रेन की चपेट में आने से उनकी मौत हुई थी। मृतक के दो बेटे, दो बेटी व पत्नी रामलली हैं। बेटे की मुताबिक, सुरेश की दिमागी हालत ठीक नहीं थी। पुलिस ने शिनाख्त पर शव का पोस्टमॉर्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया।

छह महीने बाद प्रतियोगी छात्र की मौत के मामले में एफआईआर

प्रयागराज। जार्जटाउन थाना क्षेत्र में सड़क हादसे में प्रतियोगी छात्र की मौत के छह महीने बाद पुलिस ने अज्ञात ट्रक चालक के खिलाफ एफआईआर दर्ज की। मृतक के पिता पहले थाने का चक्कर लगाते रहे। थक हारकर जब अपर मुख्य सचिव (गृह) उप्र शासन से शिकायत की, तो पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू की है। रायबरेली के सलोन कण्डी नापन निवासी रामकृष्ण शुक्ल ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि प्रयागराज में रहकर उनका बेटा प्रज्जवल शुक्ला प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करता था। 10 नवंबर 2024 की रात प्रज्ज्वल अपने एक साथी के साथ बाइक से बाजार जा रहा था। रास्ते में संगम पेट्रोल पंप के पास अज्ञात ट्रक की टक्कर से प्रज्जवल की मौत हो गई थी। हालांकि पुलिस ने छह महीने बाद मुकदमा दर्ज होने से अज्ञात ट्रक चालक का पता लगाना आसान नहीं होगा।

बीफार्मा सबसे महंगा कोर्स

प्रयागराज। प्रो. राजेंद्र सिहं (रज्जू भय्या) राज्य विश्वविद्यालय ने सत्र 2025–26 के लिए अपने परिसर में संचालित पाठ्यक्रमों की सेमेस्टरवार फीस संरचना जारी कर दी है। चार वर्षीय बीफार्मा पाठ्यक्रम की प्रति सेमेस्टर फीस 48,780 रखी गई है, जो विश्वविद्यालय के सभी कोर्सों में सबसे अधिक है। बीएससी एजी ऑनर्स की प्रति सेमेस्टर फीस 11,580 है। एमएबीए की 19,230, बीबीए की 15,530, बीए–एलएलबी की 29,080, बीसीए की 24,080, एमसीए की 29,080, एलएलएम की 33,080, एमएससी एजी की 14,080 और इंटीग्रेटेड एमटेक की 29,080 रुपये प्रति सेमेस्टर है।

सिविल लाइंस से सिटी साइड आने-जाने के लिए शहरियों को चाहिए एफओबी

प्रयागराज। कुम्भ 2013 के शुरू होने से पहले रेलवे ने यात्रियों की भीड़ नियंत्रण के लिए प्रयागराज जंक्शन पर पुराने पुल को तोड़कर फुट ओवर ब्रिज (एफओबी) नंबर तीन का निर्माण किया था। अब 12 साल बाद यह ओवर ब्रिज भी तोड़ा जाएगा। जंक्शन के पुनर्विकास के तहत ध्वस्तीकरण का काम शुरू होने से पहले रेलवे ने इस पुल को आवागमन के लिए बंद कर दिया है। यह एक मात्र ओवर ब्रिज है जिससे लोग सिविल लाइंस से पुराने शहर यानी सिटी साइड की ओर आते–जाते थे। इसके बंद होने के बाद अब पुल नंबर दो को आम पब्लिक के लिए खोलने की मांग उठी है।

विधायक ने भी डीआरएम से पत्राचार किया है। प्रयागराज में रेलवे का इतिहास आजादी के पहले का है। 1859 में अंग्रेजों ने प्रयागराज रेलवे स्टेशन का निर्माण कराया था। रेलवे स्टेशन पर पब्लिक की सुविधा के लिए अंग्रेजों ने पुल बनवाया था। इसी रेल पुल को तोड़कर कुम्भ 2013 के दौरान फुट ओवर ब्रिज तीन का निर्माण किया गया था, जिसे तोड़कर अब कांकोर्स बनाने की तैयारी है। प्रयागराज जंक्शन के पुनर्विकास का कार्य चल रहा है। महाकुम्भ 2025 के पहले पब्लिक पुल से रोज हजारों लोगों का आवागमन होता था। पुराने शहर शाहगंज, चौक आदि इलाकों से आम पब्लिक के अलावा स्कूली बच्चे भी सीधे पुल पार करके सिविल लाइंस आ जाते थे। स्कूली बच्चे तो साइकिल लेकर भी इस पुल से निकलते थे। सुबह से शाम तक यह क्रम चलता था। लेकिन इस एफओबी के बंद होने से लोगों को काफी घूम कर जाना पड़ रहा है। अब आम आदमी के पास सिर्फ दो ही विकल्प बचे हैं। एक इलाहाबाद हाईकोर्ट पानी टंकी फ्लाईओवर से पुराने शहर की ओर जाएं या फिर शहर के सबसे भीड़ इलाके जानसेनगंज होकर जाएं, जहां पर हमेशा ही जाम की स्थिति रहती है। ऐसी स्थिति में पब्लिक पुल बंद होने से लोगों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। रेलवे परिसर के आसपास रहने वाले दुकानदारों ने भी मांग की है कि इस पुल के विकल्प में पुल नंबर दो को पब्लिक के लिए खोल दिया जाए। भाजपा विधायक दीपक पटेल ने भी डीआरएम को पत्राचार किया है। उन्होंने भी पुल संख्या दो को आमजन के लिए खोलने की मांग की है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि पुल नंबर दो शुरू होने से काफी सहूलियत हो जाएगी। इसके अलावा स्टेशन के बाहर दुकानदारी पर भी असर पड़ा है। पब्लिक न होने से दुकानों पर ग्राहकों की संख्या कम हो गई है। रेलवे की योजना में पुल का कोई विकल्प नहीं प्रयागराज जंक्शन के पुनर्विकास का काम तेजी से चल रहा है। प्लॉनिंग में पब्लिक पुल का कोई भी जिक्र नहीं है। पुल नंबर तीन के ध्वस्त होने के बाद स्टेशन परिसर के सिविल लाइंस साइड से पुराने शहर की ओर जाने के लिए कोई विकल्प नहीं बचेगा। रेलवे स्टेशन की नई इमारत का काम पूरा होने के बाद सिर्फ यात्रियों को ही प्रयागराज जंक्शन में प्रवेश करने की इजाजत होगी। इसीलिए लोगों की मांग है कि पहले ही पुल नंबर दो को पब्लिक के लिए खोल दिया जाए, ताकि आमजन को परेशानी न हो।

वाल्मीकि चौराहे से रैबीज का इंजेक्शन लगवाने के लिए कॉल्विन अस्पताल जा रहे थे। यहां आने पर पता लगा कि पुल बंद है। घूमकर जाना पड़ा। रेलवे दूसरा पुल पब्लिक के लिए खोले। – संतर देवी

इस पुल से रोजाना सैकड़ों लोग गुजरते थे, लेकिन इसे बंद कर दिया गया। इसके लिए कोई विकल्प भी नहीं दिया गया। इससे लोगों को परेशानी हो रही है। कई किलोमीटर चक्कर काटना पड़ रहा है। – आशुतोष पाण्डेय

लोग साइकिल से आते–जाते थे। इस पुल को पार करके हाईकोर्ट या अन्य अफफिस के लिए आराम से जाते थे। पुल बंद हो जाने के बाद लोगों को घूमकर जाना पड़ रहा है। इस समस्या पर रेलवे विचार करे। – नजरुल हसन

पुल से रोज स्कूली बच्चे और ऑफिस जाने वाले लोग आराम से पुल पार कर सिविल लाइंस पहुंच जाते थे। पुल बंद होने से अब घूमकर जाना पड़ रहा है। इसका समाधान होना चाहिए। – गौरव कुमार

पुल बंद हो जाने के बाद धंधे पर भी सीधे असर पड़ रहा है। यहां से कम लोग आने लगे हैं। इससे रिक्शा चालकों को कम सवारी मिल पा रही है। पुल चालू था तो काफी भीड़ रहती थी। – नीरज निषाद, ई रिक्शा चालक

लोग सिविल लाइंस से पुल पार कर इस साइड चले आते थे। जंक्शन के बाहर रिक्शा से अपने गंतव्य को चले जाते थे। पुल बंद होने के बाद ई रिक्शा चालकों की कमाई भी प्रभावित हुई है। –दीपक, ई रिक्शा चालक

पुल से रोजाना गुजरने वाले लोगों के कारण दुकानदारी बढ़िया हो जाती थी। पुल बंद होने के बाद तीन दिनों से दुकानदारी कम हो गई है। चहल पहल भी कम हो गई है। – अमित सिंह, फल विक्रेता

पुल चालू था तो सुबह शाम काफी संख्या में लोग दोनों तरफ से आते जाते थे, लेकिन पुल बंद हो जाने के बाद लोग दूसरे रास्ते से आ–जा रहे हैं। स्टेशन के बाहर कारोबार पर भी असर पड़ा है। – संदीप तिवारी

बिना किसी सूचना के अचानक पुल बंद कर दिए जाने के कारण लोगों को परेशानी हो रही है। लोग यहां पहुंचते हैं तो पता चलता है कि पुल बंद कर दिया गया है। अब पैदल घूम कर जाना पड़ रहा है। – अवध नारायण

लोगों को इस पुल से आवागमन की आदत हो गई थी, दोनों तरफ के लोगों को आने जाने में काफी सहूलियत थी। पुल बंद होने की जानकारी लोगों को नहीं है, जिससे आज भी यहां आने के बाद घूमकर जाना पड़ रहा है। – हर्ष

पुल से उस पार जाना था, यहां आने पर पता लगा कि पुल बंद कर दिया गया है। पहले से पता होता तो यहां क्यों आते। पुल पार जाने वाले कई लोग आकर लौट रहे हैं। –महेश

पुल चालू था तो लोग आराम से दोनों तरफ से आते–जाते थे। अब लोगों को घूम कर जाना पड़ रहा है। लोगों को पुल बंद होने की जानकारी न होने के कारण परेशानी हो रही है। इसका विकल्प देना चाहिए। –दिनेश

हम लोगों को सिविल लाइंस जाना था, पुल पार कर आराम से उस पार पहुंच जाते थे। आज यहां आने पर पता लगा कि पुल बंद है। अब वापस जा रहे हैं। अब तो हाईकोर्ट पानी टंकी होकर जाना पड़ेगा। –प्राची

पहले पता होता कि पुल बंद कर दिया गया है तो इधर न आते। यहां आने के बाद पुल बंद होने की जानकारी मिली तो लौट रहे हैं। दूसरे पुल से घूमकर जाने के लिए लोग कह रहे हैं। –सपना

पुल बंद करना था तो इसकी सूचना लोगों को पहले से दे दी जानी चाहिए थी। लोग कई सालों से इस पुल से आ–जा रहे थे, अचानक बिना सूचना के पुल बंद कर देने से लोग परेशान हैं। – आनंद प्रकाश

पब्लिक की समस्या की जानकारी हुई है। इस मामले में विचार किया जा रहा है। जल्द ही कोई निर्णय लिया जाएगा। –अमित सिंह, मंडल पीआरओ

- पब्लिक पुल बंद होने से आमजन की बढ़ी परेशानी।
- इससे सबसे ज्यादा स्कूल बच्चों की मुश्किलें बढ़ गई।
- हाईकोर्ट और निरंजन हाट पुल पर हमेशा रहता है जाम।
- आम पब्लिक को सिविल लाइंस से सिटी साइड आने जाने के लिए चक्कर काटना पड़ेगा। सुझाव
- पब्लिक पुल बंद होने पर रेलवे इसका विकल्प तैयार करे।
- फिलहाल आम जनता के लिए पुल नंबर दो को खोला जाए।
- रेलवे के पुल नंबर दो से सीधे उस पार जाना आसान होगा।
- रेलवे को प्लानिंग में भी इसका विकल्प तैयार करना चाहिए।

मिनटों में अलग हो जाएगा खून से प्लाज्मा और पानी से बैक्टीरिया

प्रयागराज। भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (ट्रिपलआईटी) के वैज्ञानिकों ने एक ऐसी डिवाइस विकसित की है जो मिनटों में खून से प्लाज्मा और पानी से बैक्टीरिया अलग कर सकती है। यह डिवाइस न केवल समय की बचत करेगी, बल्कि पैसे की भी बचत करेगी। यह डिवाइस डीएसटी (विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग) के प्रोजेक्ट के तहत तैयार की गई है। इससे संबंधित शोध प्रतिष्ठित जर्नल रायल सोसाइटी ऑफ केमिकल में प्रकाशित हुआ है। डिवाइस को भारत सरकार से बीस साल का पेटेंट भी मिल गया है। ट्रिपलआईटी अप्लाइड साइंस विभाग के डॉ. अमित प्रभाकर ने कहा कि मल्टीपल हाइड्रोडायनमिक्स तकनीक की मदद से ब्लड प्लाज्मा सेपरेशन (रक्त से प्लाज्मा अलग करने) और पानी से बैक्टीरिया को अलग करने के लिए एक अनोखी स्वदेशी डिवाइस बनाई है।

यह डिवाइस रक्त से प्लाज्मा के साथ लाल रक्त कणिकाएं (आरवीसी), श्वेत रक्त कणिकाएं (डब्ल्यूबीसी) और प्लेटलेट्स को भी अलग करने और पानी से बैक्टीरिया और दूषित पार्टिकल से अलग करने में सक्षम है। बताया कि डिवाइस का हर माइक्रोस्कोपिक चौनल एक सेकेंड में एक बूंद आउटपुट देता है। यह सामान्य विज्ञान के सिद्धांत का प्रयोग करके तैयार किया गया है। आगे बताया कि वर्तमान में इस काम के मौजूदा उपकरण की कीमत लाख रुपये है। लेकिन यह डिवाइस एक हजार रुपये में बाजार में उपलब्ध रहेगी। इस प्रोजेक्ट में एमटेक छात्र अंकुर जैसवार, प्रवीण कुमार और अमर ध्वज भी शामिल रहे।

बगैर फिल्टर का कैंडल बदले पानी होगा शुद्ध डॉ. अमित बताते हैं कि प्रथम चरण में डिवाइस की मदद से पानी से बैक्टीरिया को अलग करने में सफलता मिली है। बात वाटर फिल्टर की करें तो बाजार में उपलब्ध सामान्य या आरओ फिल्टर में एक नियमित अंतराल पर कैंडल बदलने की जरूरत होती है लेकिन इस तकनीक में कैंडल की जरूरत ही नहीं पड़ेगी। इसकी खासियत यह है कि यह दो से 10 नैनोमीटर से लेकर 10 माइक्रोमीटर तक के पार्टिकल फिल्टर कर सकता है।

जर्नलिस्ट एसोसिएशन ऑफ़ इंडिया (रजि.) के बिजनौर जिलाध्यक्ष बने वीरेंद्र प्रताप सिंह

बिजनौर/मुजफ्फरनगर। आज जर्नलिस्ट एसोसिएशन ऑफ इंडिया रजिस्टर्ड द्वारा मुजफ्फरनगर पहुंचेस जर्नलिस्ट एसोसिएशन ऑफ़ इंडिया के प्रदेश अध्यक्ष शिवम जैन द्वारा बिजनौर की कार्यकारिणी का गठन किया और वीरेंद्र प्रताप सिंह को चौप्टर

अध्यक्ष नियुक्त किया वहीं अध्यक्ष राजीव मोहन गोयल कोषाध्यक्ष शरद शर्मा ,रचित गोयल, नीरज कुमार व कई पत्रकार मौजूद रहे कार्यक्रम में शामिल हुए बिजनौर के पत्रकार वीरेंद्र प्रताप सिंह के उज्जवल भविष्य की कामना कि व प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि हम हमेशा पत्रकारों के हितों की बात करते हैं पत्रकार एकता हमारे लिए सर्वोपरि है मैं वीरेंद्र प्रताप सिंह से अपेक्षा करता हूं कि वह बिजनौर में संगठन को ऊंचाइयों तक लेकर जाएंगे उन्होंने कहा कि उनकी टीम मजबूत है और पिछले 10 वर्षों से लगातार पत्रकारिता कर रही है और पत्रकारों के लिए पूर्ण रूप से समर्पित हूं बिजनौर टीम को 'बहुत–बहुत बधाई एवं धन्यवाद।

हर आपदा में राहत और बचाव के लिए तैयार रहता है सिविल डिफेंस

प्रयागराज। प्रयागराज में नागरिक सुरक्षा सेवा समिति (सिविल डिफेंस) काफी मजबूत स्थिति में है। कोरोना का वक्त रहा हो या फिर महाकुम्भ जैसा महत्वपूर्ण आयोजन सिविल डिफेंस ने प्रशासन और पुलिस के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम करते हुए अपनी अहम भूमिका निभाई है। शहर में आने वाली बाढ़ के साथ ही आगजनी की बड़ी घटनाओं सहित आपदा की हर स्थिति में इससे जुड़े लोग राहत और बचाव के लिए ग्राउंड जीरो पर उतर जाते हैं। केंद्र सरकार ने बुधवार को सिविल डिफेंस की मॉक ड्रिल कराने की बात कही है। प्रभारी जिलाधिकारी एवं सीडीओ हर्षिका सिंह का कहना है कि अभी इस संबंध में आदेश नहीं आया है। डीएम ही सिविल डिफेंस के नियंत्रक होते हैं। उधर, सिविल डिफेंस से जुड़े लोगों को जैसे ही सरकार के इस निर्णय की जानकारी हुई, उन्होंने मानसिक तौर पर खुद को इस ड्रिल के लिए तैयार कर लिया। सिविल डिफेंस से जुड़े लोगों का कहना है कि आदेश आते ही मॉक ड्रिल की रुपरेखा तय कर ड्रिल की जाएगी। कोरोना से महाकुम्भ तक निभाई अहम भूमिका प्रयागराज में जब भी बाढ़ आई सिविल डिफेंस के लोगों ने बाढ़ में फंसे लोगों को न केवल सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया बल्कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्र की रात में निगरानी भी की। बाढ़ राहत शिविरों में रहने वाले पीड़ितों की मदद में भी ये आगे रहे। शहर में कहीं आग लगने पर इसके सदस्य बचाव के वे सभी काम करते हैं, जो अग्निशमन विभाग कर सकता है। कोरोना काल और महाकुम्भ के दौरान भी समिति बहुत सक्रिय रही। जाम, भीड़ प्रबंधन आदि में भी इनकी भूमिका अहम होती है। प्रयागराज में समिति में 700 पदेन और 1800 से अधिक सामान्य सदस्य हैं। वायु हमले से बचाव के लिए मिला है प्रशिक्षण सिविल डिफेंस का हर सदस्य वायु हमले के दौरान नागरिकों की सुरक्षा के लिए प्रशिक्षित है। सिविल डिफेंस के वरिष्ठ सदस्य ने बताया कि इसका गठन 1962 में भारत–चीन युद्ध के बाद हुआ था। प्रयागराज समेत प्रदेश के 27 जिलों में सिविल डिफेंस सक्रिय है। माक ड्रिल का आदेश जारी होने के बाद जिला स्तर पर समिति के नियंत्रक (जिलाधिकारी) की अध्यक्षता में बैठक कर इसकी रूपरेखा तय की जाएगी।

पर्यटन नीति में शामिल होंगे प्रयागराज के उद्यमियों के सुझाव

प्रयागराज। उप्र पर्यटन नीति–2022 के जरिए उप्र में एक ट्रिलियन इकोनॉमी को साधने के लिए अप्रैल के अंतिम सप्ताह में प्रचार–प्रसार के लिए अभियान का आगाज हुआ था। इसके अंतर्गत प्रयागराज में भी शहर के उद्यमियों को आमंत्रित करके कार्यशाला आयोजित हुई थी। जिन उद्यमियों ने कार्यशाला में सहभागिता की थी, उन सभी को पर्यटन विभाग के लखनऊ मुख्यालय से जोड़ने का निर्णय लिया है। इसी को देखते हुए मुख्यालय से उद्यमियों को फोन करके कॉन्टैक्ट नंबर, होटल का नाम व ईमेल आईडी मांगी जा रही है। प्रमुख सचिव पर्यटन मुकेश मेश्राम के निर्देश पर उद्यमियों को सप्ताह में एक दिन मुख्यालय से फोन कराया जाएगा जिसमें बैंक्वेट हॉल, ढाबा संचालन करने की शुरुआत और नीतियों से नए उद्यमियों को दिए जाने वाले लाभ के संबंध में जानकारी दी जाएगी।

जबलपुर इकाई की काव्यगोष्ठी सम्पन्न

जबलपुर। शहर समता विचार जबलपुर इकाई की काव्यगोष्ठी अप्रैल माह के काव्य गोष्ठी श्री राम जन्मोत्सव उपलक्ष्य में ऑनलाइन सफलतापूर्वक संपन्न काव्यगोष्ठी का शुभारंभ अध्यक्षता कर रही रचना सक्सेना, मुख्य अतिथि आशा जाकड़ सारस्वत अतिथि चंद्र प्रकाश वैद्य विशिष्ट अतिथि छाया त्रिवेदी, डा.राजलक्ष्मी शिवहरे एवं अर्चना मलैया सभी अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन और सरस्वती की मूर्ति में माल्यार्पण द्वारा किया गया। सरस्वती वंदना की सुंदर प्रस्तुति आरती शर्मा द्वारा। काव्य गोष्ठी का संयोजन उमा मिश्रा प्रीति एवं संचालन अनीता दुबे ने किया। अतिथियों का स्वागत सिद्धेश्वरी सराफ छाया सक्सेना प्रभु। काव्य गोष्ठी में सभी बहनों ने अपनी सुंदर रचनाओं की प्रस्तुति द्वारा आयोजन में चार चांद लगा दियें। गायत्री चौबे मंजूषा किंजवडकर ,राजकुमारी रैकवार, प्रभा बच्चन श्रीवास्तव जय श्रीकांत, रचना सक्सेना जबलपुर, रश्मि पांडे,डॉ आशा श्रीवास्तव, शशिकला सेन, अनुराधा गर्ग, डॉ मुकुल तिवारी, डा. कुमकुम शुक्ला , कुमारी चंदा देवी स्वर्णकार शैली सेठ। धन्यवाद ज्ञापन डा. मुकुल तिवारी किया।

बाल्मीकि बस्ती गांधी कॉलोनी को चेयरपर्सन मीनाक्षी स्वरूप का उपहार

मुजफ्फरनगर। शहर की गांधी कॉलोनी स्थित बाल्मीकि बस्ती में चेयरपर्सन मीनाक्षी स्वरूप एवं सभासद अमित पटपटिया के प्रयास से 15 खूबसूरत लाइट पोल का लोकार्पण किया गया।

मीनाक्षी स्वरूप ने बताया कि सभासद अमित पटपतिया द्वारा बाल्मीकि बस्ती में लाइटों को लगाने की मांग की गई थी जिसे बोर्ड द्वारा सहमति मिलने के बाद लगाया गया इन लाइटों के लगने से बाल्मीकि बस्ती का मुख्य मार्ग जगमग करने लगा है।

अमित पटपटिया ने बताया कि प्रधानमंत्री के नारे सबका साथ सबका विकास सबका विश्वास को परिलक्षित करते हुए समाज के हर वर्ग तक विकास पहुंचाने की दिशा में ये एक छोटा सा प्रयास है। बाल्मीकि बस्ती निवासी आशीष राकेश ने बताया कि जेल फाटक से 'बाल्मीकि बस्ती को जाने वाली मुख्य सड़क के एक बड़े हिस्से पर खंबा ना लगा होने के कारण स्वतंत्रता के बाद से अभी तक अंधेरा ही रहता था' जब इस बारे में सभासद अमित पटपटिया एवं चेयरपर्सन मीनाक्षी के रूप से बात की गई तो उन्होंने तुरंत इस और कार्य करने के आदेश दिए उसी के फल स्वरुप आज पूरी मुख्य सड़क रोशनी से जगमगा रही है इसके लिए शीटर के सभी नागरिक चेयर पर्सन मीनाक्षी स्वरूप एवं सभासद अमित पटपटिया के आभारी रहेंगे। लोकार्पण से पूर्व चेयरपर्सन एवं सभासद ने भगवान वाल्मीकि मंदिर में पूजा अर्चना की एवं उपस्थित सभी लोगों में प्रसाद वितरण किया तत्पश्चात बटन दबाकर सभी लाइटों को प्रकाशित किया गया। इस अवसर पर मुख्य रूप से भाजपा नई मंडी महिला मोर्चा की मंडल अध्यक्ष मनी पटपटिया ,पूर्व सभासद पवन अरोड़ा,पंकज अपवेजा ,ज्ञानचंद वाल्मीकि,रमेश प्रधान, जितेंद्र कुमार वाल्मीकि ,संदीप राज आशीष राकेश, सोहन बिड़ला, प्रिंस कुमार सहित सैकड़ो की संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

मरीजों तक अब खुद पहुंचेगा आंख का सचल अस्पताल

प्रयागराज। आंखों के मरीजों को बेहतर इलाज की सुविधा के लिए मनोहर दास नेत्र चिकित्सालय में डायबिटिक रेटिनोपैथी स्क्रीनिंग वैन की सचल मोबाइल शुरू की गयी है। प्रदेश सरकार की ओर से यह वैन लखनऊ व मेरठ के बाद प्रयागराज में प्रदान की गयी है। अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाओं से युक्त सचल वैन आगरा से प्रयागराज आई है। डायबिटिक रेटिनोपैथी स्क्रीनिंग वैन के प्रभारी डॉ. विनोद सिंह के निर्देशन में यह सेवा शहर के मलिन बस्तियों व ग्रामीण क्षेत्रों में विशेष रूप से संचालित की जाएगी। इससे एक तरह से आंख का चलता–फिरता अस्पताल लोगों के घर तक पहुंच जाएगा।

ग्रीष्मकालीन विशेष रेलगाड़ी का संचालन

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए ग्रीष्मकालीन विशेष रेलगाड़ी के संचालन का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत् हैं :-

गाड़ी संख्या 04068/04067 नई दिल्ली-भागलपुर-नई दिल्ली अनारक्षित विशेष एक्सप्रेस रेलगाड़ी

गाड़ी सं. 04068 नई दिल्ली-भागलपुर			गाड़ी सं. 04067 भागलपुर-नई दिल्ली	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
—	14:00	नई दिल्ली	14:30	—
20:25	20:35	गोविन्दपुरी	07:10	07:20
22:30	22:35	प्रयागराज जं.	03:45	03:55
13:30	---	भागलपुर	---	14:30

- गाड़ी सं. 04068: नई दिल्ली से प्रत्येक रविवार एवं बुधवार दिनांक 11.05.2025 से 09.07.2025 तक
- गाड़ी सं. 04067: भागलपुर से प्रत्येक सोमवार एवं गुरूवार दिनांक 12.05.2025 से 10.07.2025 तक
- गाड़ी संरचना: सामान्य श्रेणी-05, स्लीपर श्रेणी-11

नोट: ट्रेनों की समय-सारणी के सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in 783/25(D)

कोचिंग सैंटर संचालक संदिग्ध परिस्थितियों में हुआ लापता

भाकियू के राकेश टिकैत व जिला पंचायत अध्यक्ष डा. वीरपाल निर्वाल ने मौके पर जाकर की जानकारी

भोपा। कोचिंग सैंटर संचालक अन्नू चौधरी के लापता होने से क्षेत्र मे सनसनी फैल गयी है। गंग नहर पटरी पर मिले सामान के बाद अन्नू चौधरी की तलाश गोताखोर द्वारा गंग नहर मे की जा रही है। चचेरे भाई ने थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई है।

भोपा थाना क्षेत्र के गांव यूसुफपुर निवासी अनिरुद्ध उर्फ़ अन्नू चौधरी वर्तमान मे मुज़फ्फरनगर के शान्ति नगर कॉलोनी मे परिवार संग निवास करते हैं। अन्नू चौधरी भोपा के निकट यूसुफपुर गांव मे अन्नू क्लासेस के नाम से कोचिंग सेंटर संचालित करते हैं।सोमवार की दोपहर अन्नू चौधरी सेंटर पर जाने के लिये मुज़फ्फरनगर से निकले थे। शाम पांच बजे के लगभग उनकी बाइक, मोबाईल, जूते व बुक्स आदि क्षेत्र के निरगाजनी झाल के पास गंगनहर पटरी के पुरकाजी मार्ग पर पड़े मिले थे। जहां खेत मे काम कर रहे किसान ने इसकी सूचना पुलिस को दी।जहां पुलिस को बाइक व एक थैले मे रखा मोबाइल व किताबें तथा जूते रखे मिले। डूब जाने की आशंका को लेकर पुलिस ने परिजनों संग पीएसी के गोताखोरों के साथ गंगनहर में युवक की तलाश शुरू कर दी। परिजन मौके पर पहुंच गये तथा युवक की तलाश में जुट गये। युवक के लापता होने से पिता जगपाल सिंह, माता कमलेश देवी, पत्नी पूजा, पुत्री श्वेता व पुत्र विश्वजीत का रो रोकर बुरा हाल है। वहीं अनिरूद्ध के चचेरे भाई प्रशांत ने तहरीर देकर गुमशुदगी दर्ज कराई है। प्रभारी निरीक्षक ओमप्रकाश सिंह ने बताया कि पीएसी के गोताखोरों की सहायता से युवक की गंगनहर में तलाश की जा रही है।वहीं मंगलवार को भाकियू के राष्ट्रीय प्रवक्ता चौधरी राकेश टिकैत, जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. वीरपाल निर्वाल भी मौके पर पहुंचे और घटना के बारे मे जानकारी की।

उप्र उद्योग व्यापार संगठन के नवनियुक्त पदाधिकारियों का हुआ स्वागत, सम्मान

ब्यूरो रिपोर्ट रचित गोयल

मुजफ्फरनगर। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार संगठन रजि के कैंप कार्यालय कुंदनपुरा पर व्यापार संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व राज्यसभा सांसद आदरणीय श्री नरेश अग्रवाल एवं प्रदेश अध्यक्ष व आबकारी मंत्री नितिन अग्रवाल के निर्देशन में प्रदेश उपाध्यक्ष मंडल प्रभारी श्री कृष्ण गोपाल मित्तल व प्रदेश महामंत्री श्री बृजेश शुक्ला द्वारा व्यापार संगठन मुजफ्फरनगर के कर्मठ,जुझारू पदाधिकारी राकेश त्यागी को जिलाध्यक्ष एवं युवा पदाधिकारी विजय प्रताप सिंह को युवा जिलाध्यक्ष मनोनीत करने उपरांत आज पदाधिकारीयो द्वारा माल्यार्पण करते हुए स्वागत सम्मान किया गया,सप्रदेश उपाध्यक्ष कृष्ण गोपाल मित्तल व प्रदेश मंत्री सरदार बलविंदर सिंह ने कहा कि अभी हाल ही में व्यापार संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नरेश अग्रवाल एवं प्रदेश अध्यक्ष व स्वतंत्र प्रभार मंत्री नितिन अग्रवाल द्वारा प्रदेश के प्रमुख पदाधिकारीयो की बैठक लखनऊ में आयोजित की गई थी जिसमें उनके निर्देशन में व्यापार संगठन के पदाधिकारी राकेश त्यागी को जिलाध्यक्ष व विजय प्रताप सिंह को युवा जिलाध्यक्ष मनोनीत किया गया आज उसी कड़ी में संगठन के पदाधिकारीयो द्वारा नवनियुक्त पदाधिकारियों का स्वागत,सम्मान किया गया है,अध्यक्ष सर्राफा एसो० पवन वर्मा व प्रदेश युवा उपाध्यक्ष तरुण मित्तल द्वारा नवनियुक्त पदाधिकारीयो को मिष्ठान खिलाकर संगठन की ओर से बधाई प्रेषित की गईस

नवनियुक्त जिलाध्यक्ष राकेश त्यागी व युवा जिलाध्यक्ष विजय प्रताप सिंह ने कहा कि व्यापार संगठन द्वारा जो जिम्मेदारी हमें दी गई है उसको पूरी निष्ठा व लगन के साथ व्यापारियों के मान सम्मान की लड़ाई लड़ते हुए निभाया जाएगा। इस अवसर पर व्यापार संगठन के युवा पदाधिकारी संदीप पुंडीर को जिला युवा प्रभारी मनोनीत होने पर सभी के द्वारा बधाई प्रेषित करते हुए सम्मान किया गया। इस दौरान संगठन के जिला महामंत्री विशाल जैन,जिला युवा महामंत्री भूपेंद्र गोयल,नगर प्रभारी भूरा कुरैशी,शिव कुमार सिंघल,हर्षद महेश्वरी,शोभित जैन,विकास मित्तल,पंकज जैन,अनिल सिंघल,मयंक गोयल,सुशील सिंघल,वासु गोयल,अभिलक्ष मित्तल, सहित अनेकों पदाधिकारीयो एवं व्यापारीयो द्वारा स्वागत सम्मान किया गया।

गंगा खादर मे डेरे से गौवंश ले जाकर कटान करने का आरोप

मोरना। गंगा खादर क्षेत्र मे गौ पालन करने वाले ग्रामीण ने चार युवको पर डेरे मे घुसकर जबरदस्ती गोवंश को उठाकर ले जाने का प्रयास करने व गला रेतकर घायल अवस्था में जंगल में फेंक देने तथा दोबारा आकर डेरे से गोवंश चुराकर उसकी हत्या करने के गंभीर आरोप सम्प्रदाय विशेष के व्यक्तियों पर लगाया। वहीं पीड़ित ने ककरौली पुलिस से मामले की शिकायत की तो पुलिस सीमा–विवाद में उलझकर रह गई। पीड़ित ने मुख्यमंत्री जनसुनवाई पोर्टल पर मामले की शिकायत कर कार्रवाई की मांग की है।

थाना भोपा क्षेत्र के गांव भेड़ाहेड़ी निवासी हरपाल सिंह ने बताया कि वह ककरौली थानाक्षेत्र के गंगा खादर के गांव जलालपुर बेहड़ा के जंगल में डेरा बनाकर गौपालन का कार्य करता है। हरपाल ने बताया कि विशेष समुदाय के कुछ युवक गंगा के दूसरी ओर जनपद बिजनौर के मंडावर क्षेत्र की सीमा में डेरा बनाकर भैंस पालन का कार्य करते हैं। बीते 28 अप्रैल की सुबह सवेरे चार युवक उसके डेरे में आये तथा वहां से गोवंश को जबरदस्ती अपने साथ ले जाने लगे। हरपाल ने रोका तो आरोपियों ने गोवंश को धारदार हथियार से घायल करके सड़क किनारे खेत में फेंक दिया और जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। हरपाल का आरोप है कि शाम को घायल गोवंश ने दम तोड़ दिया।

मामले की शिकायत ककरौली पुलिस से की गयी ककरौली पुलिस ने मंडावर थानाक्षेत्र का मामला बताकर उसे मंडावर थाने में भेज दिया। वहीं मंडावर पुलिस ने हरपाल को ककरौली थाने पर शिकायत करने को कहा। हरपाल ने बताया कि उसके डेरे से दो गोवंश रविवार सुबह से गायब थे। उसने अपने साथियों संग आसपास तलाश किया तो सोमवार दोपहर एक गोवंश का कटा हुआ सिर जंगल में पड़ा मिला। पीड़ित ने मुख्यमंत्री जनसुनवाई पोर्टल पर मामले की शिकायत कर कार्रवाई की मांग की है। सीओ भोपा डॉ. रविशंकर मिश्रा का कहना है कि मामले की जांच कर कार्रवाई की जायेगी।

संयुक्त मोर्चा के राष्ट्रीय महासचिव बने शौकत अन्सारी

नगरपालिका चुनाव में निभा चुके महत्त्वपूर्ण भूमिका

नई दिल्ली/मुज़फ्फरनगर। नगरपालिका चुनाव में कई हजार वोटो से जीत हासिल करने वाले लद्दावाला सभासद शौकत अंसारी को भारतीय किसान मज़दूर संयुक्त मोर्चा का राष्ट्रीय महासचिव बनाया गया हैं। इसकी घोषणा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी शाह आलम ने की हैं। आशा व्यक्त की गई है कि शौकत अंसारी को जिम्मेदारी मिलने से पीड़ित, गरीब, मज़लूम की आवाज़ ओर मज़बूती से उठाई जाएगी। आपको बता दे कि संगठन को मजबूत बनाने के लिए भारतीय किसान मज़दूर संयुक्त मोर्चा में वरिष्ठ नेता संघर्षशील जुझारू नेता वर्तमान में सभासद शौकत अंसारी को अपने संगठन में अहम जिम्मेदारी सौपी है उन्हें शौकत अन्सारी को अतिमहत्वपूर्ण पद राष्ट्रीय महासचिव नियुक्त किया हैं। राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी शाहआलम ने कहा कि शौकत अन्सारी संगठन को मजबूती प्रदान करेगे। नवनियुक्त राष्ट्रीय महासचिव शौकत अन्सारी ने कहा कि किसान मज़दूरो बेसहारा बजबूरो का उत्पीड़न किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नही किया जाएगा। श्री अन्सारी ने कहा कि संगठन को युद्ध स्तर पर मजबूत किया जाएगा जो संगठन ने बडी जिम्मेदारी देकर मेरे उपर विश्वास किया हैं, उस पर पूरी तरह खरा उतरने का प्रयास करूंगा।

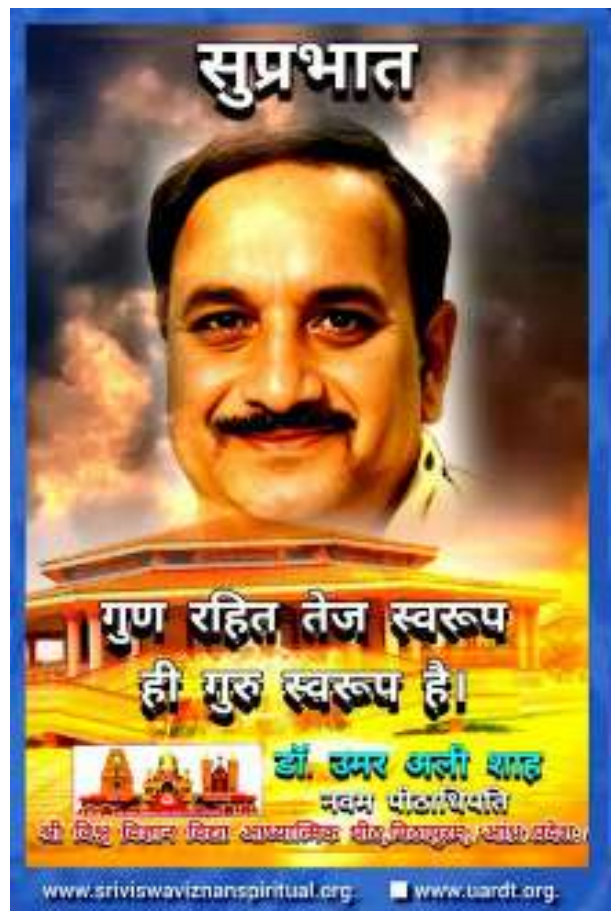

केवल खास है अम्मा

अगर रिश्ते में कोई है तो केवल खास है अम्मा।।
मेरी रग रग में सांसों में सुगंधित वास है अम्मा।।
महल कोठा अंटारी और दौलत की नहीं ईच्छा–
बहुत मैं भाग्यशाली हूँ हमारे पास है अम्मा।।

मेरी पूजा भजन कीर्तन यही है साधना मेरी।।
हमारे सर पे आशीर्वाद पावन भावना मेरी।।
कभी अस्तित्व माँ का मिट नहीं सकता सनातन है–
चिरायु हो मेरी अम्मा यही है कामना मेरी।।

मेरे जीवन की यात्रा का सफ़ीना है मेरी अम्मा।।
मेरा काबा मेरी काशी मदीना है मेरी अम्मा।।
बहुत अनमोल नाता है कोई कीमत नहीं जग में–
मेरा हीरा मेरी मोती नगीना है मेरी अम्मा।।

गिरीश जौनपुर

गांधी पार्क में कराया योगाभ्यास

मथुरा। क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डॉ गोपाल सिंह के दिशा निर्देशन मे तथा जिला कार्यक्रम प्रबंधक अखिलेश विश्वकर्मा के मार्गदर्शन मे योग प्रशिक्षक शंन्नो शुक्ला द्वारा गाँधी पार्क मे

योगाभ्यास कराया गया जिसमे लोगो को सूक्ष्म व्यायाम की क्रियाये, ताड़ासन, शालभसन, उस्ट्रासन, मकरासान, तथा नाड़ी शोधन, भ्रामरी, शीतली, सीतकरी प्राणायाम का अभ्यास कराया गया जिसमे बड़ी संख्या मे लोगो ने भाग उत्साह पूर्वक भाग लिया।

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना संख्या : EL-C-PRYJ-03-25-26 दिनांक: 05.05.2025

ई-निविदा सूचना (विद्युत निर्माण)

भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप मुख्य विद्युत अभियंता/निर्माण/उत्तर मध्य रेलवे/प्रयागराज निम्नलिखित कार्यों हेतु ई-निविदा दिनांक 30.05.2025 समय 15:00 बजे तक आमंत्रित करते हैं। निविदा सम्बन्धी विस्तृत विवरण निम्नवत् है:- निविदा खुलने की तिथि: 30.05.2025

क्र.सं.: 1	प्रकाशित कार्य की लागत (रू0 में): ₹ 17,64,78,445.20
कार्य का नाम: डीटूरिंग ऑफ़ एक्ज़िस्टिंग 132 के0 वी0 3 फेज़ डबल सर्किट ट्रांसमिशन लाइन एट वेरियस 2X25 के0 वी0 टीएसएस इन जिवनाथपुर-कानपुर सेक्शन ऑफ़ नार्थ सेंट्रल रेलवे इन कनेक्शन विथ मिशन रफ़्तार प्रोजेक्ट।	
बोली प्रतिभूति (रू0 में): ₹ 10,32,400/-	कार्य अवधि: 06 माह

नोट:- (1) उपरोक्त सभी ई-निविदाओं का पूरा विवरण (निविदा प्रपत्र सहित) वेबसाइट www.ireps.gov.in पर समय 15:00 बजे टेण्डर खुलने की तिथि तक उपलब्ध है। (2) उपरोक्त सभी ई-निविदाओं में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप से बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेंडरों को चाहिए कि वे अपने आपको Digital हस्ताक्षर प्रमाण पत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। (3) किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिए IREPS की वेबसाइट की हेल्पलाइन से संपर्क किया जा सकता है। 772/25(A)

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे

ई-निविदा सूचना संख्या: MECH-ONF-TTable-PRYJ-25 दिनांक: 05.05.2025

ई-निविदा सूचना

ई-टेंडरिंग प्रणाली के माध्यम से निविदा 'वरिष्ठ खंड अभियंता/लोको/प्रयागराज के अंतर्गत प्रयागराज जंक्शन (प्लेटफॉर्म नं. 1) पर टर्न टेबल की ओवरहालिंग'।

कार्य का मूल्य लगभग (₹ में): ₹2944100.00	बोली सुरक्षा (₹ में): ₹58900.00
निविदा प्रपत्र की लागत (₹ में): शून्य	पूर्ण होने की अवधि: 3 माह
निविदा बंद होने की तिथि एवं समय: 27.05.2025 15.00 बजे	
निविदा खुलने की तिथि एवं समय: 27.05.2025 15.30 बजे	

(1) उपरोक्त ई-निविदा की निविदा दस्तावेज के साथ संपूर्ण जानकारी 27.05.2025 को 15.00 बजे तक वेबसाइट http://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध रहेगी। निविदाकर्ताओं को केवल इसी वेबसाइट पर अपना ई-निविदा जमा करना होगा। (2) उपरोक्त ई-निविदाओं के लिए ई-टेंडरिंग के अलावा अन्य किसी भी प्रकार की निविदा स्वीकार नहीं की जाएगी। इस प्रयोजन के लिए, ठेकेदारों को तृतीय श्रेणी के डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्रों के साथ आईआरईपीएस वेबसाइट पर खुद को पंजीकृत कराना आवश्यक है। (3) दर पृष्ठ में दर्ज की गई और डिजिटल रूप से हस्ताक्षरित दरों पर ही विचार किया जाएगा। यदि निविदाकारों द्वारा कोई अन्य प्रपत्र/पत्र संलग्न किया गया है, तो किसी अन्य वित्तीय इकाई में दरों पर विचार नहीं किया जाएगा। (4) संलग्न किए जाने वाले दस्तावेज़ों पर निविदाकर्ता द्वारा डिजिटल रूप से हस्ताक्षर किए जाने चाहिए। (5) बोली सुरक्षा: सभी निविदाकारों/ठेकेदारों को इस निविदा के विरुद्ध बोली सुरक्षा के लिए आईआरईपीएस पोर्टल पर उपलब्ध ऑनलाइन भुगतान मोड जैसे नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड इत्यादि के माध्यम से भुगतान करने की अनुमति है। हालांकि, बोली सुरक्षा या तो जमा की जाएगी ई-पेमेंट गेटवे के माध्यम से नकद या भारत के किसी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक से बैंक गारंटी बांड के रूप में जमा किया जा सकता है या जैसा कि निविदा दस्तावेजों में बताया गया है। बैंक गारंटी बांड अनुलग्नक-VIA के अनुसार होगा और बोली वैधता अवधि के बाद 90 दिनों की अवधि के लिए वैध होगा। (6) निविदा निर्धारित समय एवं तिथि पर खोली जायेगी। यदि निर्दिष्ट तिथि को अवकाश घोषित हो जाता है तो निविदा अगले कार्य दिवस पर उसी समय खोली जाएगी। (7) किसी भी कठिनाई के मामले में आईआरईपीएस की वेबसाइट पर उपलब्ध हेल्प डेस्क से संपर्क किया जा सकता है। (8) किसी भी सशर्त प्रस्ताव को सरसरी तौर पर अस्वीकार कर दिया जाएगा। अन्य नियम एवं शर्तें निविदा दस्तावेजों में देखी जा सकती हैं। (9) वस्तुओं और/या सेवाओं के उक्त आपूर्तिकर्ता समय-समय पर लागू जीएसटी अधिनियम और नियमों के अधीन होंगे। (रेलवे बोर्ड के पत्र क्रमांक 2016/AC-II/1/6 दिनांक 12 मई 2017 के अनुसार)। 780/25(A)

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

सम्पादकीय.....

जानलेवा परीक्षा

यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि हमारी युवा प्रतिभाएं आसमानी उम्मीदों, टॉपर संस्कृति के दबाव व तंत्र की विसंगतियों के चलते आत्मघात की शिकार हो रही हैं। हाल ही में तीन छात्रों की दुखद मौतें विचलित करने वाली हैं। इनमें राजस्थान स्थित कोटा के नीट के परीक्षार्थी और मोहाली स्थित निजी विश्वविद्यालय में फोरेंसिक साइंस का एक छात्र शामिल था। नीट परीक्षा से पूर्व छात्रों का मौत को गले लगाना हमारी घातक प्रणालीगत विफलता को ही उजागर करता है। विडंबना ये है कि परीक्षाओं के इस जोखिम को हम नजरअंदाज करते हैं। जो बताता है कि ये प्रतिभाएं किस हद तक शैक्षणिक दबाव, मानसिक स्वास्थ्य की अनदेखी तथा अवास्तविक अपेक्षाओं के मिलने से बनी जानलेवा घातकता का शिकार हो रही हैं। यह दुखद ही है कि सुनहरे सपने पूरा करने का ख्वाब लेकर कोटा गए चौदह छात्रों ने इस साल आत्महत्याएं की हैं। विडंबना यह है कि बार–बार चेतावनी देने के बावजूद कोचिंग संस्थानों के संरचनात्मक दबाव, उच्च दांव वाली परीक्षाओं, गलाकाट स्पर्धा, दोषपूर्ण कोचिंग प्रथाएं और सफलता की गारंटी के दावों का सिलसिला थमा नहीं है। यही वजह है कि हाल ही में केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण यानी सीसीपीए ने कई कोचिंग संस्थानों को भ्रामक विज्ञापनों और अनुचित व्यापारिक प्रथाओं के चलते नोटिस दिए हैं। दरअसल, कई कोचिंग संस्थान जमीनी हकीकत के विपरीत शीर्ष रैंक दिलाने और चयन की गारंटी देने के थोथे वायदे करते रहते हैं। निस्संदेह, इस तरह के खोखले दावे अक्सर कमजोर छात्रों और चिंतित अभिभावकों के लिये एक घातक संजाल बन जाते हैं। निश्चित रूप से युवाओं के लिये घातक साबित हो रही टॉपर्स संस्कृति में बदलाव लाने के लिए नीतिगत फैसलों की सख्त जरूरत है। राजस्थान सरकार की ओर से प्रस्तावित कोचिंग संस्थान (नियंत्रण और विनियमन) विधेयक इस दिशा में बदलावकारी साबित हो सकता है। लेकिन कोई भी प्रावधान तब तक कारगर साबित नहीं हो सकते जब तक कि कोचिंग संस्थानों की कारगुजारियों की नियमित निगरानी न की जाए। कोचिंग संस्थानों में नामांकन से पहले अनिवार्य परामर्श और योग्यता परीक्षण मददगार हो सकता है। यह विडंबना ही है कि वर्ष 2018 के दिशा–निर्देश, जिनका मकसद छात्रों को मनोवैज्ञानिक सहायता प्रदान करना और निजी संस्थानों को विनियमित करना था, वे आज अप्रासंगिक हो गए हैं। यह एक हकीकत है कि सख्त निगरानी के बिना नये कानून का भी प्रतीकात्मक बनने का जोखिम बना रहता है। युवाओं को अनावश्यक प्रतिस्पर्धा के लिये बाध्य करना और योग्यता को अंकों के जरिये रैंकिंग से जोड़ना कालांतर अन्य छात्रों को निराशा के भंवर में फंसा देता है। वास्तव में सरकार को ऐसा पारिस्थितिकीय तंत्र विकसित करना चाहिए, जो विभिन्न क्षेत्रों में रुचि रखने वाले युवाओं के लिये पर्याप्त संख्या में रोजगार के अवसर पैदा कर सके। वास्तव में हमें युवाओं को मानसिक रूप से सबल बनाने की सख्त जरूरत है। प्रतिभागियों को बताया जाना चाहिए कि कोई भी परीक्षा जीवन से बड़ी नहीं होती। यदि वे एक परीक्षा या पाठ्यक्रम में सफल नहीं होते तो रोजगार के असंख्य विकल्प उनका इंतजार कर रहे होते हैं।

नफरत के खिलाफ खड़ी महिलाएं

डॉ. दीपक पाचपोर

यह भाजपा तथा उनसे जुड़े संगठनों का वही पैंतरा है जिसके अंतर्गत समाज सेवकों, मानवाधिकार कार्यकर्ताओं, पत्रकारों आदि के खिलाफ मामले दर्ज होते हैं। नेहा के खिलाफ राजद्रोह की शिकायत दर्ज की गयी है।

ऐसे वक्त में जब देश का वातावरण एक सम्प्रदाय, कुछ समुदायों तथा कतिपय विचारों के लिये पल रही नफरत के कारण विषाक्त हो चला है, कुछ महिलाएं खुद को बड़े खतरे में डालती हुई इसके विरूद्ध उठ खड़ी हुई हैं। बेशक, उनके जैसे हजारों लोगों की तरह वे भी अलग–थलग पड़ती हुई दिख रही हैं लेकिन उम्मीद है कि उनसे प्रेरणा लेकर अन्य लोग भी साम्प्रदायिक सौहार्द्र के लिये कोशिशें करेंगे। लोक गायिका नेहा सिंह राठौर लम्बे समय से कट्टरपंथियों के रडार पर हैं। अपने ठेठ देसी अंदाज में लिखे और गाये गीतों से वे सत्ता से कंटीले सवाल करती हैं। देश–प्रदेश की समस्याओं को वे अपने ढंग से उठाती हैं और सत्ता पर चोट करने से कतई नहीं चूकतीं। यूपी में का बा? तथा बिहार में का बा?श वाले गीतों की उनकी श्रृंखला खासी लोकप्रिय हुई थी। बदहाली, गरीबी, अशिक्षा, बेरोजगारी, कोरोना के कुप्रबंधन आदि पर उन्होंने सरकार पर तीखे हमले किये हैं। हाल ही में पहलगाम में हुए आतंकी हमले को लेकर उन्होंने केन्द्र सरकार से अपने गीतों के जरिये सवाल किये जो पार्टी समर्थकों को नागवार नहीं गुजरे। उनके खिलाफ लखनऊ तथा अयोध्या में एफआरआई दर्ज करा दी गयी है। यह भाजपा तथा उनसे जुड़े संगठनों का वही पैंतरा है जिसके अंतर्गत समाज सेवकों, मानवाधिकार कार्यकर्ताओं, पत्रकारों आदि के खिलाफ मामले दर्ज होते हैं। नेहा के खिलाफ राजद्रोह की शिकायत दर्ज की गयी है। हालांकि वे इस बात से घबराई हुई नहीं है और वे लगातार अपने वीडियो प्रसारित कर बतला रही हैं कि वे सत्ता से सवाल करना छोड़ेंगी नहीं। लखनऊ विश्वविद्यालय की प्रो. माद्री काकोटी भी लम्बे समय से वीडियो डालकर शासकीय कार्य प्रणाली की खामियां उजागर करती रही हैं। उनके खिलाफ भी पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कर दी गयी है। नेहा तथा माद्री से भाजपा सरकारों की खुन्नस पुरानी है, वैसी ही जिस प्रकार स्टैंडअप कॉमेडियन कुणाल कामरा आदि से है जिसके खिलाफ पिछले दिनों उनके कार्यक्रम को लेकर नाराज महाराष्ट्र सरकार ने मामला दज ़कर लिया था। ये दोनों मामले उनकी अभिव्यक्ति को लेकर रहे हैं, पर इसके विपरीत जो अन्य महिलाएं नफरतियों के कोप का शिकार हो रही हैं, वे हाल के घटनाक्रमों के चलते हैं। 22 अप्रैल को पहलगाम (कश्मीर) के बैसरन घाटी में आतंकियों की फायरिंग से जो 26 पर्यटक मारे गये, उनमें से एक हिमांशी के पति लेफ्टिनेंट जनरल विनय नरवाल भी थे। 16 अप्रैल को दोनों की शादी हुई थी। इस घटना के बाद हिमांशी ने बेहद संयम व विवेक का परिचय देते हुए लोगों से अपील की कि श्चाहे आतंकियों ने उनके पति को कथित रूप से उनका धर्म पूछकर गोली मारी हो, फिर भी देश के मुसलमानों और कश्मीरियों को टारगेट न किया जाये। ऐशान्या के पति शुभम द्विवेदी की भी आतंकियों ने हत्या की। उन्होंने इस घटना का ब्यौरा देते हुए कहा कि श्दो हजार पर्यटकों के वहां होने के बावजूद एक भी पुलिस वाला या सुरक्षाकर्मी नहीं था।श उन्होंने इस बात पर दुख जताया कि श्जिस सरकार के भरोसे वे वहां गये थे, उसने हम पर्यटकों को अनाथ छोड़ दिया।श भाजपा समर्थक इसलिये कुपित हैं कि उन्होंने व्यवस्था में खामी क्यों निकाली। उधर उत्तराखंड के प्रसिद्ध पर्यटक स्थल नैनीताल की शैला नेगी भी नफरती ब्रिगेड के निशाने पर आ गयी हैं। यहां एक उम्रदराज मुस्लिम ने एक नाबालिग लड़की के साथ बलात्कार किया। पुलिस वे आरोपी को गिरफ्तार भी कर लिया गया है लेकिन इसे लेकर वहां जमकर बवाल हो रहा है। वहां अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों के साथ मारपीट हो रही है, उनकी सम्पत्तियों को नुकसान पहुंचाया जा रहा है। शैला ने उपद्रव कर रहे हिन्दुओं को समझाने की कोशिश की कि किसी एक व्यक्ति की गलती के लिये पूरे समुदाय को दोषी ठहराना उचित नहीं है। निश्चित ही यह एक समझदारी से भरी और विवेकपूर्ण बात थी लेकिन लोगों का गुस्सा शैला पर भड़क उठा है। वैसे तो ये सभी महिलाएं अपने विचारों पर अडिग हैं लेकिन उनके खिलाफ जिस तरह से घृणा का सैलाब उमड़ आया है वह बेहद दुखद और बहुत हद तक इनकी सुरक्षा की दृष्टि से चिंताजनक है। नेहा को अपशब्द कहे जा रहे हैं। ये उनके रंग–रूप को लेकर तो हैं ही, उनका चरित्र हनन भी किया जा रहा है। हिमांशी, जिनका वैवाहिक जीवन एक सप्ताह का भी पूरा नहीं हुआ था, उनके बारे में बेहद अशोभनीय टिप्पणियां सोशल मीडिया पर देखी जा रही हैं। कोई उन्हें बचा जीवन किसी मौलवी के साथ बिताने की सलाह दे रहा है तो कोई कह रहा है कि श्वह अपने पति को खा गयी। ऐशान्या से इसलिये नाराजगी है क्योंकि उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था में चूक बतलाई है। शैला को तो सीधे–सीधे बलात्कार करने की तक ध ामकियां दी जा रही हैं। इन सभी महिलाओं के प्रति जो विचार भाजपा समर्थकों द्वारा व्यक्त किये जा रहे हैं वे एक पतनशील समाज का साक्ष्य हैं जिससे उबरने के कोई चिन्ह दूर–दूर तक इसलिये दिखाई नहीं देते क्योंकि इन तत्वों को सत्ता का प्रश्रय प्राप्त है। जिस प्रकार से उन्हें चरित्रहीन निरूपित किया जा रहा है वह बताता है कि भारत एक कुंठित तथा नफरती समाज में बदल चुका है। पहले से यह देश स्त्री विरोधी है। सत्ता पोषित नफरती तत्वों से देश की विवेकशील व संवेदनशील महिलाएं पहले से अधिक असुरक्षित हैं।

इस बार टोपी में से जाति गणना निकाली

शकील अख्तर

लड़ाई तो अब शुरु होगी। जाति गणना की राहुल गांधी की मांग को मोदी सरकार को मानना पड़ा। आम जनगणना में इस बार जातिवार गणना भी होगी। मगर गिनती हो जाना ही अपने आप में कुछ नहीं है। दलितों की आदिवासियों की गिनती है। दस साल बाद होने वाली हर जनगणना में होती है। हालांकि मोदी सरकार ने अभी तक जनगणना ही नहीं करवाई। 2021 में होना थी। मगर कोविड के बहाने उसे टाल दिया गया। जबकि 2021 में ही 5 राज्यों बंगाल, तमिलनाडु, असम, केरल, पुदुचेरी के विध ानसभा चुनाव करवाए। इससे पहले 2020 में बिहार, दिल्ली के। और 2022 में उत्तर प्रदेश के चुनाव भी हुए। चुनाव कभी नहीं टाले। मगर पांच साल लेट हो गई जनगणना। जनगणना में सरकार के सामने सबसे बड़ी समस्या यही थी कि वह जाति गणना से कैसे बचे। मोदी सरकार ने उस समय संसद में कहा था कि वह अनुसूचित जाति और जनजाति के अलावा किसी और समुदाय की गणना नहीं करवाएगी। ऐसा ही जवाब उसने एक हलफनामे के जरिए सुप्रीम कोर्ट को दिया था। 2021 के बजट में जनगणना के लिए जो पैसा रखा था उसे केंसिल किया (विलंबित) अगले साल 2022 तक के लिए। अगले साल फिर 2023 तक के लिए। सरकार जाति गणना से बचने के लिए जनगणना को भी अभी तक टालती रही। मगर अब उसने अचानक यह फैसला ले लिया। इस पर बहुत सारी बातें हैं। सवाल हैं। कि अचानक क्यों? देश जब पहलगाम के आतंकवादी हमले के बाद पाकिस्तान पर कड़ी कार्रवाई करने की मांग कर रहा था। पूरा विपक्ष सरकार के साथ खड़ा था तब अचानक प्रधानमंत्री मोदी फैसला करते हैं कि हम तो जातिवार गणना कराएंगे। 11 साल से लोगों को बेवकूफ बनाया जा रहा है। जनता जब जो चाहती है उसे वह न देकर दूसरे मामले में उलझा दिया जाता है। बेरोजगार नौकरी मांगते हैं उनसे कहा जाता है कि वह तुम्हारी भैंस खोल ले जाएंगे। महिलाएं कहती हैं कि आपने तो कहा था– श्बहुत हुआ नारी पर वार अबकी बार मोदी सरकार!श तो कहते हैं कि अब तुम्हारा मंगल सूत्र ले जाएंगे! कुछ भी कह देते हैं। और कुछ नहीं मिला तो कह दिया कि मैं बायलॉजिकल (मां की कोख से जनमा) नहीं हूं। जनता को एक के बाद एक नए मुद्दे में उलझाना। इसे खुश होकर उनके भक्त कहते हैं कि यह हेडलाइन मैनेजमेंट हैं। खबरों की सुर्खियों में हम ही रहेंगे। टोपी में से कबतूर निकालने का जादू चलता रहेगा। इस बार जब 26 पर्यटकों की पहलगाम में हत्या हुई और लोग इसके जवाब में आतंकवाद का खात्मा मांग रहे थे तो मोदी जी ने टोपी में से जाति गणना निकाल दी। जाति गणना तो बहुत पुरानी मांग है। होना चाहिए थी। मगर इस समय घोषणा कुछ और चाहिए थी। आतंकवाद के खिलाफ। और घोषणा नहीं कार्रवाई। मगर मोदी जी को आदत पड़ गई है बातों से लोगों को बहलाने की। आखिर 11 साल से यही कर रहे हैं। मगर इस बार संभव नहीं लगता। दो बड़ी बातें हैं। पहली, बार–बार सीमा पार से आकर यहां लोगों को मारे जाने की घटनाएं और उन पर कोई कार्रवाई नहीं होना। पुलवामा में चालीस जवान शहीद, गलवान में बीस जवान और अब पहलगाम में 26 पर्यटक। दूसरी बात, इनके जवाब में जो मोदीजी जो जाति गणना लाए हैं वह उन्हें उलटी पड़ रही है। आरएसएस और भाजपा के मूल विचार यथास्थितिवाद के खिलाफ है। यह दक्षिणपंथी संगठन सामाजिक ढांचे में बदलाव के सख्त खिलाफ हैं।लेकिन समय की ऐसी बलिहारी है कि देश में सामाजिक ढांचे के बदलाव के आज तक के सबसे बड़े काम की घोषणा मोदी जी के हाथों होना थी। हो गई। बहुत अच्छा हुआ। सोचिए अगर यह घोषणा राहुल गांधी करते तो क्या होता? 1990 याद कर लीजिए। उसी तरह देश भर में बीजेपी इसके विरोध में हिंसक आंदोलन शुरू कर देती। युवाओं का आत्मदाह याद है! क्या भयावह समय था। वीपी सिंह को आज तक गालियां देते हैं। मोदी जी की घोषणा से एक लाभ यह जरूर हुआ कि प्रतिक्रियावादी ताकतें मुख्यतरू ओबीसी और दलित आदिवासी के खिलाफ खुल कर नहीं आ पा रही हैं। केवल सोशल मीडिया तक ही सीमित हैं। हालांकि सोशल मीडिया पर बहुत गंदगी फैलाई जा रही है। मगर वहां कब नहीं फैला रहे थे ये लोग? फर्क बस इतना था कि पहले मुस्लिम के खिलाफ फैला रहे थे और अब पिछड़ा, अति पिछड़ा, दलित, आदिवासी के खिलाफ। मामला पूरा यू टर्न ले गया। अभी तक इस वर्ग को समझा रहे थे कि मुस्लिम तुम्हारे खिलाफ है। झारखंड के चुनाव में तो इस बार प्रधानमंत्री मोदी ने बोल ही दिया था कि बेटी ले जाएंगे। मगर मजबूरी में जैसे ही जाति गणना की घोषणा की तो सारा नजला पिछड़ा अति पिछड़ा दलित आदिवासी पर गिरने लगा। उसकी सारी सेवाएं भूल गए कि उनको ही आगे ले जाकर मस्जिदों के बाहर नाचते और नारे लगाते थे। 11 साल में देश में हिन्दू–मुसलमान हवा बनाने के लिए सबसे ज्यादा उपयोग समाज के इस वंचित समाज का ही किया। और अब उसे ही गालियां दी जा रही हैं। दूसरा बड़ा सेटबैक समाज की उच्च जातियों को भी लगा।

मित्र और मित्रता

सच्चा मित्र इत्र जीवन का
इससे महके पल पल जीवन का
मित्रता अनमोल, है यह कोहिनूर
मिलता सद्मीत, है वरदान ईश कास

व्यथित हृदय को तृप्त करे जो
हंसे हंसाए साथ साथ जो
दिल की सुने और दिल की सुनाए
हर दुःख भागे, मित्रता भाग्य जगाएस

सच्चे मित्र थे कृष्ण सुदामा
सारी दुनिया को दिखा गए
धन दौलत या ऊंच नीच की
केसे हर खाई को रौंद गएस

मित्र वही जो सुख दुःख में
हर पल मन से साथ रहे
हाथ पकड़ कर साथ निभा ले
सही राह दिखाकर बात करेस

मित्र वही है सच्चा सच में
सुख–दुख में जो दुआ बने
कभी नाध हो कोई भी अनबन
रुठे को पल में मना लेवेस

है अनमोल खजाना दोस्ती
प्रेम सुकून से भरा है दोस्ती
प्रकृति का गहरा रंग है दोस्ती
पर ग़र सच्ची नीयत हो दोस्ती4

जो धोखा दे मित्र नहीं वह
जो भरमाए मित्र नहीं वह
दिल की सुने ना मित्र नहीं वह
स्वार्थ भरा मन मित्र नहीं वह।

आशा चौधरी
बिहार, पटना
कम्पीयर/एनाउंसर आकाशवाणी, पटना

भारत–पाकिस्तान सैन्य गतिरोध में कहां खड़ा है भारत?

नित्य चक्रवर्ती

22 अप्रैल को पहलगाम में 26 लोगों की नृशंस हत्या को दस दिन बीत चुके हैं। अगले दिनों में, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कई उपायों की घोषणा कर के देश के उबलते मूड को बढ़ावा दिया, जिसमें 1960 में हस्ताक्षरित सिंधु जल संधि को निलंबित करना भी शामिल है। उसके बाद पाकिस्तान ने भी जवाबी कदम उठाये, जिनमें 1972 के शिमला समझौते से बाहर आना भी शामिल रहा। 29 अप्रैल को, प्रधानमंत्री ने अपने सैन्य प्रमुखों के साथ बैठक की और कथित तौर पर उन्हें पाकिस्तान के खिलाफ कार्रवाई के समय और प्रकृति पर निर्णय लेने के लिए पूर्ण स्वतंत्रता दी। उसी रात, पाकिस्तान के सूचना मंत्री ने पत्रकारों से कहा कि–पाकिस्तान को अपनी खुफिया रिपोर्टों के आधार पर आशंका है कि भारत 2–3 दिनों के भीतर सैन्य हमला करेगा, और उस स्थिति में उनका देश पूरी तरह से तैयार है। भारतीय टीवी चौनलों और राष्ट्रीय मीडिया के एक हिस्से ने दोहराया कि मोदी का पाकिस्तान के खिलाफ हमला निश्चित रूप से होने वाला है। बुधवार, 30 अप्रैल को स्थिति पूरी तरह बदल गयी, जब अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने भारतीय विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ दोनों को फोन करके दक्षिण एशिया में शांति और सुरक्षा बनाये रखने का आह्वान किया। स्वर काफी केंद्रित था और इसमें ट्रंप जैसा स्वर नहीं था, जिन्होंने शुरू में यह आभास दिया था कि अमेरिका उनके प्रिय मित्र नरेंद्र मोदी द्वारा प्रतिशोध के रूप में की जाने वाली हर चीज के साथ जायेगा। यदि रुबियो की टिप्पणियों का विश्लेषण किया जाये, तो यह अनुमान लगाया जा सकता है कि उन्होंने आतंकवाद के खिलाफ भारत के साथ सहयोग करने की संयुक्त राज्य अमेरिका की प्रतिबद्धता की पुष्टि की। हालांकि, साथ ही, हमले में शहबाज शरीफ सरकार की किसी भी संलिप्तता का उल्लेख किये बिना, रुबियो ने विनम्रतापूर्वक तनाव कम करने की मांग करते हुए औपचारिक रुख अपनाया। गौरतलब है कि अमेरिकी विदेश विभाग के बयान में यह उल्लेख किया गया था कि रुबियो और शरीफ दोनों ने हिंसा के जघन्य कृत्यों के लिए आतंकवादियों को जवाबदेह ठहराने की अपनी निरंतर प्रतिबद्धता की पुष्टि की। पाकिस्तान पर किसी भी संभावित भारतीय सैन्य हमले के लिए अमेरिका के नवीनतम रुख का क्या मतलब है, जिसमें दो परमाणु–सशस्त्र पड़ोसियों के बीच पूर्ण युद्ध में वृद्धि की संभावना है? सबसे पहले, रुबियो भारत द्वारा अपराधियों का पता लगाने की अपनी कार्रवाई को आगे बढ़ाने के पक्ष में हैं, और वह चाहते हैं कि पाकिस्तान अपनी ओर से इस कार्य में पूरा सहयोग करे। रुबियो ने पहलगाम नरसंहार पर राष्ट्रपति ट्रम्प की भावनाओं को दृढ़ता से व्यक्त किया होगा। लेकिन साथ ही, रुबियो ने कोई संकेत नहीं दिया है कि शहबाज शरीफ सरकार का पहलगाम नरसंहार में शामिल आतंकवादियों के साथ सीधा संबंध है। रुबियो की शरीफ के साथ बातचीत के बारे में, अमेरिकी विदेश विभाग द्वारा जारी एक बयान में कहा गया कि उन्होंने आतंकी हमले की निंदा करने की आवश्यकता के बारे में बात की। इसमें कहा गया कि दोनों नेताओं ने आतंकवादियों को उनकी जघन्य हिंसा के लिए जवाबदेह ठहराने की अपनी निरंतर प्रतिबद्धता की पुष्टि की। इसमें कहा गया कि श्सचिव ने इस अमानवीय हमले की जांच में पाकिस्तानी अधिकारियों से सहयोग करने का आग्रह किया। उन्होंने पाकिस्तान को तनाव कम करने और दोनों देशों के बीच सीधे संचार को फिर से स्थापित करने के लिए भारत के साथ काम करने के लिए भी प्रोत्साहित किया। 22 अप्रैल के पहलगाम नरसंहार के दस दिन बाद का यह परिदृश्य जून 2002 में भारत–पाकिस्तान सैन्य गतिरोध से कई समानताएं रखता है, जब पश्चिमी देशों को जानकारी मिली कि तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने पाकिस्तान पर हमला करने का फैसला किया है। दिसंबर 2001 में दिल्ली में भारतीय संसद पर पाक–प्रेरित आतंकवादी हमले और उसके बाद मई 2002 में जम्मू के कालूचक में एक और नरसंहार के बाद वाजपेयी ने पाकिस्तान के साथ बातचीत की सभी उम्मीदें खो दी थीं। भारतीय अभियान को ऑपरेशन पराक्रम नाम दिया गया था। भारत और पाकिस्तान दोनों ने नियंत्रण रेखा पर भारी संख्या में सैनिकों को तैनात किया और नौसेना तथा सेना की टुकड़ियाँ पूरी तरह से तैयार थीं। लेकिन फिर, अमेरिका ने जोरदार हस्तक्षेप किया। दक्षिण एशिया की देखरेख करने वाले अमेरिकी विदेश विभाग के अधिकारी रॉबर्ट आर्मिटेज ने दिल्ली में घंटों बिताकर भारतीय पक्ष को युद्ध टालने के लिए मनाया और वायदा किया कि विदेश मंत्री कॉलिनपॉवेल पाकिस्तान के राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफ से पाकिस्तान के अंदर आतंकी शिविरों को हटाने और पाकिस्तानी धरती से सक्रिय आतंकवादियों के खिलाफ कार्रवाई करने के बारे में बात कर रहे हैं। पॉवेल आखिरकार सफल हुए और युद्ध टल गया, हालांकि प्रध ानमंत्री वाजपेयी खुश नहीं थे। लेकिन साथ ही, उन्हें पता था कि अमेरिका को नाराज करके भारत के लिए पाकिस्तान के साथ युद्ध करना संभव नहीं था। दिलचस्प बात यह है कि मैं जून 2002में भारत–पाकिस्तान सीमा पर बढ़ते तनाव के बीच एक अलग असाइनमेंट पर मास्को में था। जिस दिन मैं मास्को से दिल्ली लौट रहा था, मैंने हवाई अड्डे पर पाया कि प्रधानमंत्री के तत्कालीन प्रधान सचिव ब्रजेश मिश्रा भारत सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ दिल्ली के लिए एक ही उड़ान में सवार थे। मुझे आश्चर्य हुआ क्योंकि प्रधानमंत्री के पास कोई कार्यक्रम नहीं था। मॉस्को में मिश्रा और वाजपेयी मध्य एशियाई राज्य के दौरे पर थे। मुझे एक अधिकारी ने बताया कि मिश्रा को प्रधानमंत्री ने राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और रूसी अधिकारियों से भारत–पाक गतिरोध पर नवीनतम स्थिति के बारे में बात करने के लिए भेजा था, जो पूरे दक्षिण एशिया को प्रभावित करने वाले किसी भी भारतीय भू–राजनीतिक शतरंज चाल पर रूसी रुख के महत्व को दर्शाता है। 2002 जून की घटना ने प्रदर्शित किया है कि प्रधानमंत्री मोदी को भी पाकिस्तान के खिलाफ कोई भी अंतिम निर्णय लेने से पहले कई कारकों को ध्यान में रखना होगा। टीवी चौनल दावा कर सकते हैं कि हमला आसन्न था। भाजपा समर्थक पाकिस्तान के आने वाले अपमान का इंतजार कर रहे हो सकते हैं। कुछ स्वघोषित विशेषज्ञ आक्रामक टीवी मीडिया पर कह सकते हैं कि पाकिस्तान चार भागों में विभाजित होगा। लेकिन जमीन पर भू–राजनीतिक वास्तविकता काफी अलग है। प्रधानमंत्री मोदी भी इसे जानते हैं। सैन्य प्रमुखों को कार्रवाई की प्रकृति पर निर्णय लेने की पूरी स्वतंत्रता देने के बाद, प्रधानमंत्री को किसी भी मजबूत कार्रवाई का संकेत देने से पहले यह देखना होगा कि अमेरिका सीमा पार आतंकवाद को रोकने और आतंकी शिविरों को खत्म करने के लिए भारत को क्या आश्वासन दे सकता है।

दौड़ लगाते नजर आए टाइगर श्रॉफ, बोले-मैं अब भी उतनी ही स्पीड में हूं, जितनी कोई कार

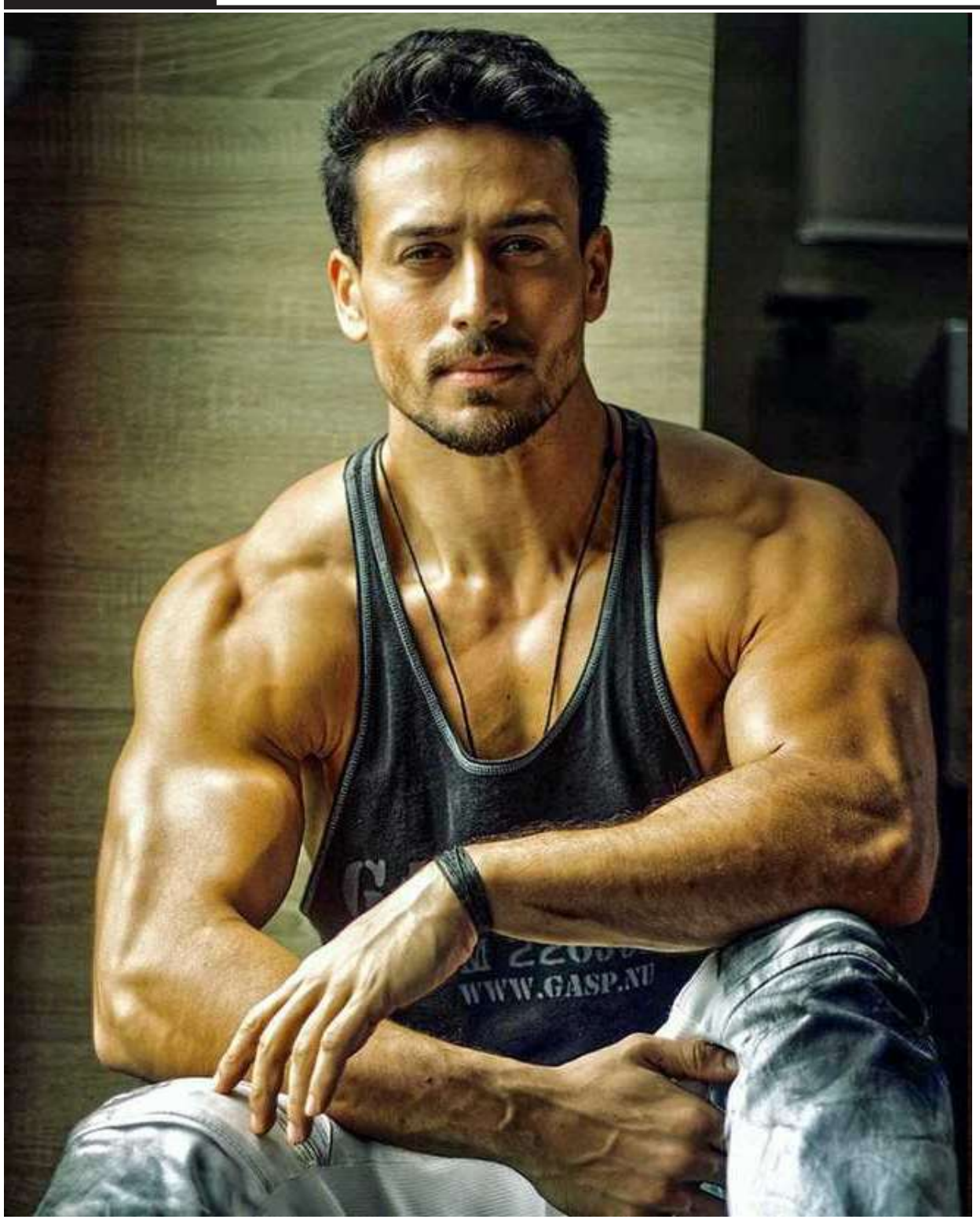

> टाइगर ने बताया कि उन्होंने लंबे समय से अपनी पूरी रफ्तार का टेस्ट नहीं लिया था और वह जानना चाहते थे कि क्या वह अब भी पहले जितने तेज हैं। बागी फेम अभिनेता ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह ट्रैक पर दौड़ते नजर आए। टाइगर ने केवल शॉर्ट्स पहनकर अपनी रफ्तार का प्रदर्शन किया।

अभिनेता टाइगर श्रॉफ की गिनती फिल्म इंडस्ट्री के उन स्टार्स में की जाती है जो बिल्कुल चुस्त–दुरुस्त हैं। फिटनेस के लिए जाने जाने वाले टाइगर ने सोशल मीडिया पर अपना एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह तेज दौड़ लगाते नजर आए। टाइगर ने बताया कि उन्होंने लंबे समय से अपनी पूरी रफ्तार का टेस्ट नहीं लिया था और वह जानना चाहते थे कि क्या वह अब भी पहले जितने तेज हैं। बागी फेम अभिनेता ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह ट्रैक पर दौड़ते नजर आए। टाइगर ने केवल शॉर्ट्स पहनकर अपनी रफ्तार का प्रदर्शन किया। वीडियो के कैप्शन में उन्होंने लिखा, लंबे समय से अपनी पूरी रफ्तार नहीं आजमाई. .. मैं अब भी उतना ही तेज हूं जितना पहले था। मैं सड़क पर चलती किसी भी कार जितना तेज हूं। उन्होंने वीडियो के बैकग्राउंड में बेनी बेनासी के गाने ब्यूटीफुल पीपल को भी एड किया। इससे पहले टाइगर श्रॉफ ने एक वीडियो शेयर किया था, जिसमें वह 80 किग्रा मसल्स के साथ हवा में छलांग लगाते नजरआए! वह वर्कआउट करते हुए अक्सर अपने वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर करते रहते हैं। हाल ही में उन्होंने एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह वर्कआउट के साथ–साथ ऊंची छलांग लगाते हुए नजर आ रहे हैं। इंस्टाग्राम पर यह वीडियो शेयर करते हुए उन्होंने मजाकिया अंदाज में कैप्शन में लिखा, काश 80 किलोग्राम से ज्यादा मसल्स वाले शरीर को ऐसे हिलाना आसान होता। टाइगर ने वीडियो के बैकग्राउंड म्यूजिक ट्रैक में अपनी पहली फिल्म हीरोपंती के गाने रात भर का इस्तेमाल किया। टाइगर श्रॉफ ने साल 2014 में फिल्म हीरोपंती से करियर की शुरुआत की थी। इसमें उनके साथ एक्ट्रेस कृति सेनन नजर आई थीं, दोनों की केमिस्ट्री को काफी पसंद किया गया। इसके बाद वह बागी में नजर आए, जिसमें उन्होंने अपने स्टंट और फाइट सीक्वेंस से लोगों को अपना दीवाना बना दिया। उन्होंने ए फ्लाइंग जट्ट, मुन्ना माइकल, हीरोपंती 2, वॉर, स्टूडेंट ऑफ द ईयर, गणपत, बागी–2, बागी 3 और शसिंघम अगेन जैसी फिल्मों के जरिए बॉलीवुड में स्टारडम हासिल किया। वर्कफ्रंट की बात करें तो वह जल्द ही बागी 4 में दिखाई देंगे। यह बागी फ्रैंचाइज की चौथी फिल्म है। हाल ही में फिल्म का पोस्टर रिलीज किया गया, जिसमें वह गंभीर लुक में नजर आए। इस पोस्टर को टाइगर श्रॉफ ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर भी शेयर किया है और कैप्शन में लिखा, जिस फ्रेंचाइजी ने मुझे एक पहचान दी और मुझे खुद को एक एक्शन हीरो के रूप में साबित करने का मौका दिया, अब वही फ्रेंचाइजी मेरी पहचान बदल रही है। इस बार वह निश्चित रूप से पहले जैसा नहीं है, लेकिन मुझे उम्मीद है कि आप लोग उसे उसी तरह स्वीकार करेंगे और प्यार देंगे जैसे आपने आठ साल पहले दिया था। फिल्म में टाइगर के साथ संजय दत्त, सोनम बाजवा और हरनाज संधू समेत कई एक्टर्स लीड रोल में नजर आएंगे। फिल्म का निर्देशन ए. हर्षा ने किया है, वहीं नाडियाडवाला ग्रैंडसन एंटरटेनमेंट के बैनर तले साजिद नाडियाडवाला ने फिल्म का निर्माण किया है। फिल्म 5 सितंबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

बाबिल खान के समर्थन में आए हर्षवर्धन राणे, इन चीजों से दूर रहने की दी नसीहत

अभिनेता बाबिल खान का ब्रेकडाउन वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस बीच, अभिनेता हर्षवर्धन राणे उनके समर्थन में आगे आए। उन्होंने बाबिल को न केवल हिम्मत रखने, बल्कि शराब समेत कुछ गलत चीजों से दूर रहने की भी नसीहत दी। इंस्टाग्राम के स्टोरीज सेक्शन पर पोस्ट शेयर कर हर्षवर्धन राणे ने कैप्शन में लिखा, "डियर बाबिल, आपकी एक्टिंग गॉड गिफ्टेड या जेनेटिक है। आपको उसे बेहतरीन तरीके से आगे बढ़ाना होगा। आप अपना बेस्ट दो।" अभिनेता ने बाबिल को प्रोत्साहित करने के साथ ही उन्हें लाइफ में आगे बढ़ने और कुछ गलत चीजों से दूर रहने की भी नसीहत दी। राणे ने कहा, "बाबिल मन लगाकर काम करो और इवेंट्स और पार्टियों से दूर रहो ताकि परेशान करने वाले लोगों के साथ बातचीत करने से बचा जा सके। मैं किसी फिल्मी परिवार से नहीं हूं, मैंने सीखा है कि अगर आप लोगों को अनुमति नहीं देंगे तो वे आपके साथ बुरा व्यवहार नहीं करेंगे। आपको अपनी बात पर अड़े रहना होगा। प्लीज शराब और ऐसी किसी भी चीज से दूर रहना क्योंकि ये चीजें कमजोर करती हैं और तुम्हें लंबे समय तक खड़े रहने के लिए ताकत की जरूरत होगी। अपना ख्याल रखो। बता दें, बाबिल खान के ब्रेकडाउन वीडियो को लेकर उनकी टीम ने एक ऑफिशियल बयान जारी कर सफाई दी है। बाबिल की टीम का कहना है कि वह एकदम ठीक हैं। जारी बयान के अनुसार, "पिछले कुछ सालों में बाबिल खान अपने काम के साथ–साथ मानसिक स्वास्थ्य के बारे में भी खुलकर बात करते नजर आए। इसके लिए फैंस से उन्हें खूब प्यार भी मिला। अन्य लोगों की तरह, बाबिल को भी मुश्किल दिनों से गुजरना पड़ता है, मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। हम उनके फैंस, फॉलोअर्स को आश्वस्त करना चाहते हैं कि वह सुरक्षित और ठीक हैं। चिंता वाली कोई बात नहीं है। बाबिल के वीडियो का गलत अर्थ निकाला गया।बयान में कहा गया है कि क्लिप में बाबिल अपने कुछ साथियों का ईमानदारी से आभार व्यक्त कर रहे थे, जिनके बारे में उनका मानना है कि वे भारतीय सिनेमा के उभरते परिदृश्य में सार्थक योगदान दे रहे हैं। उन्होंने अनन्या पांडे, शनाया कपूर, सिद्धांत चतुर्वेदी, राघव जुयाल, आदर्श गौरव, अर्जुन कपूर और अरिजीत सिंह जैसे कलाकारों का उल्लेख कर उनकी तारीफ की थी। हम मीडिया और आम जनता से आग्रह करते हैं कि वे छोटे–छोटे वीडियो क्लिप से निष्कर्ष निकालने की बजाय पूरे वीडियो पर विचार करें।

आयुष्मान खुराना-रश्मिका मंदाना की थमा ख़त्म होने के करीब, नवाजुद्दीन सिद्दीकी जल्द ही वैम्पायर ट्विस्ट में शामिल होंगे

आयुष्मान खुराना और रश्मिका मंदाना की फिल्म थमा अपनी रिलीज से पहले ही चर्चा में है। इस नई जोड़ी को स्क्रीन पर देखने के लिए प्रशंसक बेहद उत्साहित हैं। उनके अलावा, मैडॉक हॉरर कॉमेडी यूनिवर्स की अगली किस्त में नवाजुद्दीन सिद्दीकी भी एक पिशाच की भूमिका में होंगे।

> ८ अप्रैल से आयुष्मान और रश्मिका ने ऊटी के जंगलों में अपने हिस्से की शूटिंग की। वे फिलहाल डोड्डाबेट्टा पीक और उसके आसपास शूटिंग कर रहे हैं। इस चरण में, निर्देशक मुख्य किरदारों के बीच प्रेम कहानी के कुछ हिस्सों की शूटिंग करेंगे। मई के तीसरे सप्ताह में नवाजुद्दीन के यूनिट में शामिल होने के बाद, वे इस बात की बैकस्टोरी शूट करेंगे कि वह कैसे वैम्पायर बने और क्लाइमेक्स, एक सूत्र ने प्रकाशन को बताया।

अब, एक रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म में न केवल मुख्य जोड़ी की प्रेम कहानी दिखाई जाएगी, बल्कि नवाजुद्दीन कैसे पिशाच बने, इस पर भी एक दिलचस्प कथानक होगा। आयुष्मान खुराना और रश्मिका मंदाना की बहुप्रतीक्षित वैम्पायर कॉमेडी, 'थमा' कथित तौर पर फिल्मांकन के अपने अंतिम चरण में प्रवेश कर चुकी है। आदित्य सरपोतदार द्वारा निर्देशित इस फिल्म का आखिरी और सबसे महत्वपूर्ण शेड्यूल 28 अप्रैल को तमिलनाडु के ऊटी के धुंध भरे पहाड़ों में शुरू हुआ और 25 मई तक चलेगा। मिड–डे की एक रिपोर्ट के अनुसार, टीम फिलहाल नीलगिरी के जंगलों में डोड्डाबेट्टा पीक के आसपास तैनात है, जहां मुख्य जोड़ी की प्रेम कहानी के साथ–साथ फिल्म के क्लाइमेक्स से जुड़े महत्वपूर्ण दृश्यों की शूटिंग की जा रही है। ष्28 अप्रैल से आयुष्मान और रश्मिका ने ऊटी के जंगलों में अपने हिस्से की शूटिंग की। वे फिलहाल डोड्डाबेट्टा पीक और उसके आसपास शूटिंग कर रहे हैं। इस चरण में, निर्देशक मुख्य किरदारों के बीच प्रेम कहानी के कुछ हिस्सों की शूटिंग करेंगे। मई के तीसरे सप्ताह में नवाजुद्दीन के यूनिट में शामिल होने के बाद, वे इस बात की बैकस्टोरी शूट करेंगे कि वह कैसे वैम्पायर बने और क्लाइमेक्स,ष एक सूत्र ने प्रकाशन को बताया। अफवाह है कि नवाजुद्दीन, जो फिल्म में एक पिशाच की भूमिका निभा रहे हैं, मई के मध्य में कलाकारों में शामिल होंगे। इस अंतिम शेड्यूल में उनके चरित्र की बैकस्टोरी के साथ–साथ फिल्म के क्लाइमेक्स के महत्वपूर्ण भाग भी शामिल हैं। पूरी फिल्म में दो समयरेखाएँ दिलचस्प तरीके से आपस में जुड़ी हुई हैं। आयुष्मान एक इतिहासकार की भूमिका निभा रहे हैं जो वर्तमान समय में भारतीय लोककथाओं में पिशाचों की उत्पत्ति पर शोध कर रहे हैं। दूसरी समयरेखा पौराणिक और रहस्यमय प्राचीन शहर विजयनगर में घटित होती है। अतीत में जड़ों वाली एक अप्रतिष्ठित प्रेम कहानी दो समयरेखाओं को जोड़ती है। वे कहते हैं कि अश्वत्थामा, जिन्हें अमर माना जाता था, ने शीर्षक को प्रेरित किया। सूत्र ने यह भी कहा कि फिल्म में लोककथाओं, किंवदंतियों और पौराणिक कथाओं का मिश्रण है।

फिल्मांकन समयरेखा और अब तक की शूटिंग लोकेशन

हालाँकि थामा की समयसीमा दिसंबर 2024 में शुरू होने वाली थी, लेकिन मुख्य शूटिंग वास्तव में फरवरी में शुरू हुई। तब से, मार्च और अप्रैल में, कलाकारों ने मुंबई और दिल्ली के आसपास कई स्थानों पर शूटिंग की है। ऊटी चरण समाप्त होने के बाद, निर्माताओं के पास फिल्माने के लिए केवल दो गाने बचे हैं। महाभारत के अमर योद्धा अश्वत्थामा के नाम से लिया गया 'थामा' कॉमेडी, हॉरर और पौराणिक कथाओं का एक शानदार मिश्रण है। कहानी आयुष्मान द्वारा निभाए गए एक इतिहासकार के इर्द–गिर्द घूमती है, जो भारतीय लोककथाओं में पिशाचवाद की पौराणिक जड़ों को उजागर करने का लक्ष्य रखता है। दो समय अवधियों में सेट, कथानक आधुनिक भारत और विजयनगर के प्राचीन साम्राज्य के बीच घूमता है, जो अधूरे प्रेम की एक भयावह कहानी से बंधा हुआ है। ऊटी शेड्यूल खत्म होने के बाद, केवल दो गाने फिल्माए जाने बाकी हैं। निर्माताओं ने अपने घोषणा वीडियो में खुलासा किया कि वे दिवाली 2025 तक इसे रिलीज़ करने का लक्ष्य बना रहे हैं।

बॉक्स ऑफिस पर सफल होना हमेशा एक अद्भुत अनुभव : वाणी कपूर

वाणी कपूर अपनी नई फिल्म 'रेड 2' की जबरदस्त सफलता से बेहद खुश हैं, जिसमें वह अजय देवगन के साथ नजर आ रही हैं। फिल्म को दर्शकों से चारों ओर से जबरदस्त प्यार मिल रहा है और महज 4 दिनों में यह बॉक्स ऑफिस पर हिट बन चुकी है। एक एक्सटेंडेड ओपनिंग वीकेंड में 'रेड 2' ने 70.75 करोड़ रुपये का शानदार कलेक्शन किया है और फिल्म जल्द ही 100 करोड़ क्लब में शामिल होने की ओर बढ़ रही है। इस बड़ी सफलता पर वाणी ने कहा, "बॉक्स ऑफिस पर सफल होना हमेशा एक अद्भुत और अवास्तविक–सा अनुभव होता है। ऐसी फिल्म का हिस्सा बनना, जो दर्शकों से जुड़ती है, मेरे लिए गर्व की बात है। 'रेड 2' को मिल रही प्रतिक्रिया दिल को छू लेने वाली है और मैं इस यात्रा का हिस्सा बनने के लिए बेहद आभारी हूं। वाणी कपूर की परफॉर्मेंस को फिल्म में सभी ओर से सराहना मिल रही है, और एक क्रिटिकली और कमर्शियल हिट का हिस्सा बनकर वह खुद को विनम्र महसूस कर रही हैं। वाणी ने आगे कहा, "फिल्म की कहानी बेहद प्रभावशाली है। राज कुमार गुप्ता सर के दूरदर्शी निर्देशन में काम करना मेरे लिए एक समृद्ध अनुभव रहा। मीडिया, समीक्षकों और दर्शकों से जो सराहना मुझे मिली है, उसके लिए मैं दिल से आभार प्रकट करती हूं।उन्होंने यह भी जोड़ा,"अजय सर और राज कुमार गुप्ता सर के साथ काम करना एक कलाकार के रूप में मुझे निखारने वाला अनुभव रहा। 'रेड 2' की सफलता मेरे लिए बहुत मायने रखती है। हर वह प्रोजेक्ट जो दर्शकों के साथ जुड़ता है, मुझे और मेहनत करने के लिए प्रेरित करता है।

गर्मियों में अपने घर को ऐसे करेंगे डेकोर, तो ठंडा-ठंडा कूल-कूल रहेगा आपका कमरा

हर किसी की चाहत होती है कि उनका घर सबसे अच्छा और खूबसूरत दिखे। जिससे कि घर में रहने वाले सभी लोगों का मूड अच्छा रहे। क्योंकि घर एक ऐसी जगह है, जहां पर एंट्री लेते ही पूरे दिन की थकान मिट जाती है। जिस तरह से मौसम बदलने पर हम सभी कपड़े बदलते हैं, ठीक उसी तरह मौसम बदलने पर अपने घर का लुक भी बदलना चाहिए। सर्दियों का मौसम खत्म हो चुका है और गर्मी शुरू हो चुकी है। ऐसे में आप भी गर्मियों में अपने घर को फ्रेश लुक देने के लिए कुछ बदलाव कर सकती हैं। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि फ्रेश लुक देने के लिए आप घर में क्या कुछ बदलाव कर सकती हैं।

पैक कर दें कार्पेट

गर्मियों की शुरूआत होते ही आप ड्राइंग और बेडरूम में बिछे कार्पेट को पैक कर दें। मोटे और भारी–भरकम कार्पेट की जगह पतली सी दरी बिछाएं। आप चाहें तो ऑफलाइन व ऑनलाइन कॉटन फैब्रिक के मल्टीकलर के खूबसूरत दरी मिल जाएंगी। इसको कमरे में बिछाकर आप रूम के टेंपरेचर को मेंटेन कर सकते हैं।

बदलें चादर और पर्दे का रंग

डार्क कलर के फ्रैब्रिक हीट अब्सॉर्व करते हैं। ऐसे में आप सर्दियों के लिए वेल्वेट और साटन के पर्दों को हटाकर शियर, नेट, फाइन कॉटन और शिफॉन जैसे फैब्रिक चुन सकते हैं। पीच, पेस्टल, व्हाइट और क्रीम कलर के पर्दे रूम के टेंपरेचर को मेंटेन करेंगे। बल्कि इससे सुबह–शाम बाहर की हवा भी घर के अंदर आ सकेगी।

बैंबू चिक ब्लाइंड

गर्मियों में बढ़ती गर्मी में कूलर काम नहीं करता है, यदि रूम का वेंटिलेशन अच्छा न हो। इसलिए गर्मी को कम करने के लिए आप खिड़कियों से पर्दों को हटाकर बैंबू चिक ब्लाइंड लगा सकते हैं। सुबह–शाम इसको खोलकर रखें। वहीं दोपहर की कड़ी धूप से बचने के लिए इनको बंद करके रखना चाहिए।

ब्राइट कलर के कुशंस

बैंबू चिक ब्लाइंड, लाइट शेड के पर्दे और दरी बिछाकर रूम का पूरा लुक बदल जाएगा और कमरे में अच्छा–खासा स्पेस भी नजर आएगा। इस लुक को कॉम्पलीमेंट करने के लिए ब्राइट शेड्स के कलरफुल कुशंस चुनें। आप एक्वा ब्लू, सी ग्रीन, टैस्ल या थ्रेड वर्क वाले लेमन यलो या ब्राइट पिंक, कुशन कवर रूम को वाइब्रेंट लुक देंगे।

दूध के साथ कभी न करें नमकीन स्नैक्स का सेवन, हो सकता बड़ा नुकसान

दूध पीना हमारी सेहत के लिए लाभदायक है यह तो हम सभी जानते हैं लेकिन क्या आपको पता है की दूध के साथ कुछ चीजों का सेवन हमारी सेहत को नुकसान पहुंचा सकता है। लोग खाली दूध पीना पसंद नहीं करते जिसकी वजह से अंजाने में कभी न कभी हम ऐसी चीजों का सेवन दूध के साथ कर बैठते हैं जिन्हें हमें नहीं करना चाहिए। वह कई तरह की चीजें हो सकती हैं जैसे, नमकीन, केला सेब, दही, स्नैक्स या समोसे अदि। आप सभी शयद जानते नहीं हैं की आपकी ये आदत आपको अंदर से बीमार कर रही है। इसलिए हम आपको ऐसी कुछ चीजों के बारे में बताएंगे जिनका सेवन दूध के साथ भूलकर भी नहीं करना चाहिए।

दूध के साथ नमकीन स्नैक्स का सेवन

चिप्स और प्रेट्जेल जैसे नमकीन स्नैक्स आपको प्यासा बना सकते हैं, और जब आप दूध से उस प्यास को बुझाते हैं, तो इन स्नैक्स में उच्च नमक सामग्री शरीर में इलेक्ट्रोलाइट संतुलन को बाधित कर सकती है। इस संयोजन से सूजन और असुविधा हो सकती है।

मसालेदार भोजन

मसाले पेट में एसिड उत्पादन को उत्तेजित कर सकते हैं, जो दूध के साथ मिलकर कुछ व्यक्तियों के लिए पाचन संबंधी समस्याएं पैदा कर सकता है। मसालेदार खाद्य पदार्थ जैसे गर्म करी, मिर्च और भारी मसाले दूध के साथ सेवन करने पर एसिड रिफ्लक्स या अपच का खतरा बढ़ सकता है।

खट्टे फल

दूध और खट्टे फलों का भी एक साथ सेवन नहीं किया जाता है। खट्टे फल और दूध का एक साथ सेवन करने से उल्टी या पेट दर्द की समस्या हो सकती है। अगर आपको दूध पीना ही है तो फल खाने के कम से कम 2 घंटे बाद दूध का सेवन करें।

केला

ऐसा माना जाता है कि दूध के साथ केला खाना एक स्वस्थ आदत मानी जाती है, लेकिन अब इस पर रोक लगाने का समय आ गया है। यह संयोजन बेहद भारी है और आपको थकावट महसूस करा सकता है क्योंकि इसे पचने में लंबा समय लगता है। इसलिए, दूध के साथ इस स्वादिष्ट फल से परहेज करना ही बेहतर है।

गुड़

अक्सर लोग दूध में चीनी की जगह गुड़ मिलाते हैं। यह एक हेल्दी विकल्प है, लेकिन आयुर्वेद में दूध के साथ गुड़ को पेट के लिए हानिकारक बताया गया है। इससे पेट खराब होने की आशंका रहती है.

उच्च प्रोटीन वाले खाद्य पदार्थ

जबकि दूध पहले से ही प्रोटीन का एक अच्छा स्रोत है, अंडे, मांस या बीन्स जैसे अन्य उच्च प्रोटीन खाद्य पदार्थों के साथ इसका सेवन आपके पाचन तंत्र पर बोझ डाल सकता है। कई प्रोटीन स्रोतों के संयोजन को पचाना कठिन हो सकता है और पाचन संबंधी परेशानी हो सकती है।

कान की सूजन को इन नुस्खों से करें ठीक, असहनीय पीड़ा से तुरंत मिलेगा आराम

हम एक बार पीठ या पेट का दर्द भी सहन कर सकते हैं लेकिन कान का दर्द किसी के लिए भी सहन के बाहर होता है। ये दर्द इतना भयंकर होता है की इसकी वजह से अच्छे–अच्छों का भी रोना तक आ जाता है। वैसे देखा जाए तो ये दर्द कई वजहों से हो सकता है जैसे, हेडफोन से तेज आवाज में गाने सुनना या फिर कई बार कई कारणों की वजह से हमारे कान से पानी बहने लगता है जिसकी वजह से सूजन आ जाती है और दर्द होने लगता है लेकिन अगर हम बात सिर्फ सूजन की करें तो इसके बारे में पहले लोग ज्यादा ध्यान नहीं देते जिसके बाद ये बढ़ जाती है। ऐसे में अगर आपको भी लग रहा है की आपके कानों में सूजन और दर्द हो रहा है तो आपको नुस्खे अपनाने चाहिए।

एरंड के पत्तों को तेल

एरंड के पत्तों को तेल लगाकर सेक ले। फिर इसे कान के सुजन वाले हिस्से पर लगा ले या बांध ले। इससे कान की सुजन दूर होगी।

एलोवेरा जेल का इस्तेमाल

अगर आपके कान में सूजन हो रही है तो आप एलोवेरा जेल का इस्तेमाल कर सकते हैं। एलोवेरा जेल में एंटी–इंफ्लामेटरी गुण होते हैं जिससे कान में सूजन की समस्या और दर्द दूर होता है। आप एलोवेरा के पत्तियों से निकलने वाले जेल को कान के बाहरी हिस्से में एप्लाई करें जहां सूजन नजर आ रही है और सूजन व दर्द को दूर करने के लिए आप एलोवेरा तो हफ्ते में 3 से 4 बार लगा सकते हैं।

गुड व चने का लेप

सुजन वाले स्थान पर गुड व चने का लेप लगाने से भी राहत मिलती है और दर्द का अहसास भी कम किया जा सकता है।

छाछ का लेप

सनई के बीज, मेथी, काला जीरा, हल्दी, सभी को एक साथ मिला ले तथा इसको छाछ में पिस ले और इसका लेप सुजन वाली जगह पर लगा ले। इससे आपको तुरंत ही राहत मिलेगी।

गर्म सिकाई करें

कान में सूजन की समस्या को दूर करने के लिए आप गर्म सिकाई करें, गरम या ठंडी सिकाई दोनों को ही आप कान में सूजन की समस्या को दूर करने के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं। आपको सिकाई करने के लिए गरम तिल को पोटली में बांधकर उसे कान के बाहरी हिस्से में लगाकर सूजन को कम करना है आप बर्फ को पोटली में बांधकर उसे कान के बाहरी हिस्से में लगाएं।

धतूरे का रस

सुजन वाले स्थान पर चित्रकमूल व् सहिजन को धतूरे के रस में पीसकर लेप लगाकर ऊपर से रुई बांध ले। ऐसा दिन में 3–4 बार करे इससे कान के दर्द व् सुजन में राहत मिलेगी।

गाय का मूत्र

सोंठ 3 ग्राम, काला तिल 2 ग्राम, बिनोला 4 ग्राम, सभी को गाय के मूत्र में मिलाकर सुजन पर लगाये। इससे भी सुजन से राहत मिलेगी।

सेब का सिरका

कान पकने के कारण भी कान में सूजन की समस्या हो सकती है जिसे दूर करने के लिए आप एप्पल साइडर विनेगर का इस्तेमाल कर सकते हैं। विनेगर की मदद से आप कान में संक्रमण की समस्या को दूर कर सकते हैं। एप्पल साइडर विनेगर में एंटीऑक्सीडेंट, एंटी–इंफ्लामेटरी गुण पाए जाते हैं जिससे कान में संक्रमण दूर होता है और सूजन घटती है। अगर पस की समस्या है तो वो भी दूर होती है। आपको सूजन कम करने के लिए विनेगर को रूई पर लगाकर कान के बाहरी हिस्से में लगाना है इससे कान में सूजन की समस्या दूर हो जाएगी।

ध्यान दें: कान में सूजन की समस्या के लिए आप आसान उपाय अपना सकते हैं लेकिन दर्द से राहत न मिले तो आप डॉक्टर से संपर्क करें ।

परफेक्ट मेकअप लुक के लिए जरूरी है प्राइमर का इस्तेमाल, जानिए कैसे करें फेस पर अप्लाई

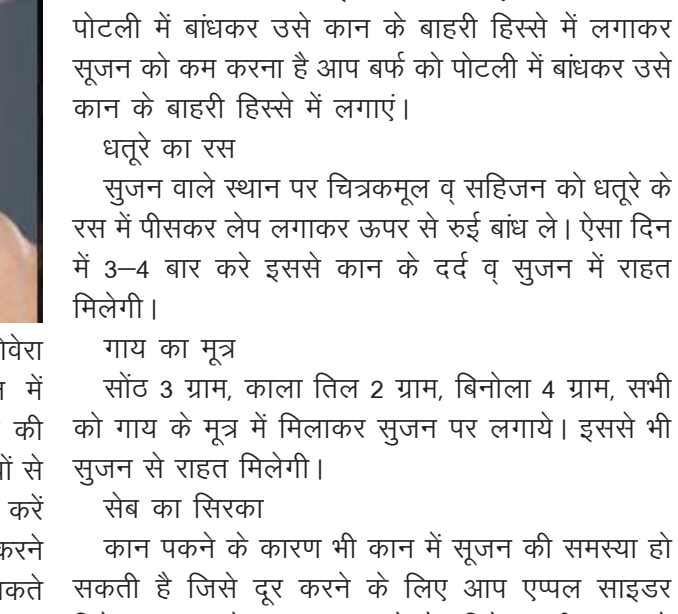

कुछ लड़कियां मेकअप के दौरान पहले प्राइमर वाला स्टेप भूल जाती है। लेकिन यह स्टेप आपके लिए बेहद जरूरी है। यदि आप चाहती हैं कि आपका मेकअप थोड़ा सा भी ना फैले, तो प्राइमर वाला स्टेप नहीं भूलना चाहिए। इसलिए प्राइमर अप्लाई करना नहीं भूलना चाहिए। महिलाओं को यह पता होता है कि प्राइमर क्या होता है, लेकिन इसको कैसे अप्लाई करना चाहिए, यह कई लड़कियों को नहीं पता होता है। प्राइमर को भी अपनी स्किन टोन के हिसाब से चूज किया जाता है। बता दें कि प्राइमर फेस पर एक एक्स्ट्रा लेयर क्रीएट करने में सहायता करता है। प्राइमर आपकी त्वचा को स्मूथ करता है, जिससे कि आपका मेकअप एकदम स्मूथ बना रहे। यह लार्ज पोर्स को कवर करने के साथ फाइन लाइन्स को भरने में मदद करता है। तो आज हम इस आर्टिकल के जरिए आपको बताने जा रहे हैं कि प्राइमर का इस्तेमाल क्यों और किस तरह से करना चाहिए।

स्किन टाइप के हिसाब से चुनें प्राइमर

जिस तरह से आप अन्य बॉडी प्रोडक्स लेने के दौरान स्किन टाइप का ध्यान रखती हैं, तो प्राइमर को भी स्किन टाइप के हिसाब से चुनना चाहिए।

यदि आपकी स्किन रूखी या परतदार है, तो हाइड्रेटिंग प्राइमर चुनना चाहिए। यदि प्राइमर में हाइड्रेटिंग और रिप्लेनिश जैसे शब्द हैं, तो यह आपकी स्किन के लिए सही है।

ऑयली स्किन के लिए मैटिफाइंग प्राइमर का उपयोग करें।

एक्ने–प्रोन या बहुत सेंसिटिव स्किन है, वॉटर बेस्ड प्राइमरों का इस्तेमाल करना चाहिए। क्योंकि सिलिकॉन बेस्ड प्राइमर आपके पोर्स को क्लॉग कर सकती है।

हमेशा नरिशिंग इंग्रीडिएंट्स वाले प्राइमर को चुनना चाहिए। ऐसे प्राइमर को चुनें जो एजिंग स्किन के लिए एंटीऑक्सीडेंट्स रिच हो।

ऐसे अप्लाई करें प्राइमर

प्राइमर अप्लाई करने से पहले फेस को अच्छे से साफ कर लें। इसके बाद मॉइश्चराइज करें। फिर आगे की स्टेप की ओर बढ़ना चाहिए।

स्किन को करें प्रेप

अपने फेस को अच्छे से क्लींजर से साफ करें फिर अपनी स्किन टोन के हिसाब से मॉइश्चराइजर का इस्तेमाल करें। इससे आपकी स्किन तैयार हो जाती है।

फिर लगाएं प्राइमर

सबसे पहले थोड़े से प्राइमर को अपनी उंगलियों की टिप पर लें। इसके प्राइमर को अपने पूरे फेस पर डैब कर लें। प्राइमर लगाने के बाद कुछ सेकेंड के लिए रुकें। इसके बाद फिर फाउंडेशन अप्लाई करना चाहिए।

मेकअप ब्रश या ब्लेंडर का न करें इस्तेमाल

फेस पर प्राइमर लगाने के दौरान ध्यान रखें कि इसको अपनी उंगलियों के टिप के इस्तेमाल से लगाना चाहिए। ब्लेंडर और ब्रश के इस्तेमाल से प्राइमर का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। उंगलियों से फेस पर सही से प्राइमर लगेगा और आपका फेस चमक उठेगा। इसके इस्तेमाल से आप फ्लॉलेस मेकअप कर सकती हैं।

प्राइमर लगाने के टिप्स

हमेशा थोड़ा सा प्राइमर फेस पर अप्लाई करना चाहिए। इसकी 1 ड्रॉप ही आपके फेस पर अच्छे से काम करती है।

प्राइमर लगाने से पहले चेहरे पर मॉइश्चराइजर जरूर लगाना चाहिए।

यदि आपकी स्किन डल है, तो टिंटेड प्राइमर उपयोग में लगाना चाहिए। इससे आपके फेस की चमक वापस आ जाएगी।

आप जो भी प्राइमर इस्तेमाल कर रहे हैं, वह फाउंडेशन से कंपैटिबल हो। वॉटर बेस्ड प्राइमर के साथ वॉटर बेस्ड फाउंडेशन यूज करना चाहिए। इससे फाउंडेशन का बेस सेपरेट नहीं होगा।

संक्षिप्त

टैरिफ और दुनिया में जारी तनाव से बढ़ी व्यापार अनिश्चितता, मूडीज ने भारत की जीडीपी वृद्धि का अनुमान घटाया

नई दिल्ली। अमेरिका द्वारा दुनिया के विभिन्न देशों पर लगाए गए टैरिफ से वैश्विक स्तर पर व्यापार अनिश्चितता का माहौल है। इसका असर भारत की वृद्धि दर पर भी पड़ने की आशंका है। यही वजह है कि रेटिंग एजेंसी मूडीज ने साल 2025 के लिए भारत की विकास दर के अनुमान को घटाकर 6.3 प्रतिशत कर दिया है। मूडीज ने पहले अनुमान जताया था कि 2025 में भारत की जीडीपी 6.5 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी।

भू–राजनीतिक परिस्थितियों का होगा असर

मूडीज ने अपने वैश्विक मैक्रो आउटलुक 2025–26 में मई अपडेट में बताया है कि भूराजनैतिक परिस्थितियों जैसे भारत और पाकिस्तान के बीच जारी तनाव से भी भारत की विकास दर पर असर पड़ने की आशंका है। इससे निवेश और उद्योगों पर असर आएगा। हालांकि मूडीज ने साल 2025 के लिए भले ही विकास दर में कटौती का अनुमान जताया है, लेकिन साल 2026 में भारत की जीडीपी 6.5 प्रतिशत ही रहने की संभावना जताई है। साल 2024 में भारत की विकास दर 6.7 प्रतिशत रही थी। मूडीज ने उम्मीद जताई है कि रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया विकास को बढ़ावा देने के लिए बेंचमार्क नीतिगत दरों को कम करेगा।

अमेरिका चीन की वृद्धि दर का अनुमान भी घटाया

मूडीज ने कहा है कि दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में जारी टैरिफ युद्ध के असर से पूरी दुनिया में व्यापार और निवेश पर असर आएगा। इसके चलते वैश्विक विकास दर इस साल धीमी रहने का अनुमान है। मूडीज ने अमेरिका के जीडीपी वृद्धि अनुमान को भी कम किया है। मूडीज के तहत 2025 में अमेरिका की वृद्धि दर एक प्रतिशत रह सकती है, जिसके पहले दो प्रतिशत रहने का अनुमान था। वहीं अगले साल अमेरिका की अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर 1.5 प्रतिशत रह सकती है, जिसके लिए पहले 1.8 प्रतिशत का अनुमान था। चीन की अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर 2025 में 3.8 प्रतिशत और 2026 में 3.9 प्रतिशत रहने का अनुमान है। यह 2024 में पांच प्रतिशत के मुकाबले काफी कम है।

सालाना आधार पर स्टार्टअप क्षेत्र में 32 फीसदी अधिक भर्तियां हुईं; इंदौर, लखनऊ और कोयंबटूर आगे

नई दिल्ली। देश के स्टार्टअप इकोसिस्टम में सालाना आधार पर 32 प्रतिशत ज्यादा भर्ती हुई है। पिछले तीन महीनों में 12 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है।फाउंड–इट की रिपोर्ट के अनुसार, भारत का संगठित रोजगार बाजार मजबूत बना हुआ है, जिसमें सालाना आधार पर 18 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। रिपोर्ट के अनुसार, पिछले एक साल में नए स्टार्टअप पंजीकरण में 22 प्रतिशत की वृद्धि से भर्ती की यह गति और अधिक मजबूत हुई है। स्टार्टअप के विस्तार के तरीके में एक बड़ा बदलाव आया है। विकास अब केवल प्रमुख महानगरीय क्षेत्रों तक सीमित नहीं है। टियर–2 शहरों में भी मजबूत विस्तार हो रहा है। अनुभवी पेशेवरों की भर्ती पर जोर बढ़ रहा है, जो दीर्घकालिक स्थिरता पर रणनीतिक ध्यान केंद्रित करने को दर्शाता है। स्टार्टअप भर्ती में 32 फीसदी के साथ आईटी सर्विस सबसे आगे है। 2024 में 23 प्रतिशत था। हेल्थकेयर में स्टार्टअप भर्ती 6 प्रतिशत से बढ़कर 9 प्रतिशत हो गया है। मीडिया एंड एंटरटेनमेंट और एजुकेशन/ई–लर्निंग जैसे सेक्टर में कमी आई है। टियर–2 शहर तेजी से प्रमुख स्टार्टअप हब के रूप में उभर रहे हैं, जहां अप्रैल, 2024 में उनकी नौकरी की हिस्सेदारी 9 प्रतिशत से बढ़कर अप्रैल, 2025 में 31 प्रतिशत हो गई है। रिपोर्ट के अनुसार, कोयंबटूर, जयपुर, इंदौर, लखनऊ और भुवनेश्वर स्टार्टअप भर्ती का नेतृत्व कर रहे हैं। बंगलूरू, दिल्ली–एनसीआर और मुंबई में स्टार्टअप की भर्तियों में भारी गिरावट दर्ज की गई, जबकि चेन्नई और हैदराबाद में स्थिति स्थिर रही।

मोदी सरकार की इस योजना के मुरीद हुए सिंगापुर के राष्ट्रपति, कार्यक्रम में जमकर की तारीफ

सिंगापुर। सिंगापुर के राष्ट्रपति थर्मन षणमुगरत्नम ने भारत में चलाई जा रही एक योजना की खूब तारीफ की है। यह योजना है श्एस्पिरेश्नल डिस्ट्रिक्ट प्रोग्रामश (ेचपतंजपवदंस क्पेजतपबजे च्तवहतंउउम)। सिंगापुर के राष्ट्रपति ने योजना की तारीफ करते हुए कहा कि यह योजना उदाहरण है कि किस तरह से विकासशील क्षेत्रों में लोगों को अधिकार दिए जा रहे हैं। सिंगापुर के राष्ट्रपति थर्मन षणमुगरत्न ने सोमवार को फिलान्थ्रोपी एशिया समिट 2025 में श्प्राइमिंग एशिया फॉर गुडश कार्यक्रम को संबोधित किया। इस सम्मेलन का आयोजन 5 से 7 मई तक सिंगापुर में हो रहा है। अपने संबोधन में सिंगापुर के राष्ट्रपति ने कहा कि नवाचार के लिए भी संगठन का साथ मिलना जरूरी है। उदाहरण के लिए, अगर आप भारत को देखें तो उनके यहां एक कार्यक्रम संचालित किया जाता है, जो है एस्पिरेश्नल डिस्ट्रिक्ट्स प्रोग्राम। इसके तहत पिछड़े जिलों को सशक्त बनाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में साल 2018 में इसे शुरू किया गया था। इस योजना का उद्देश्य भारत के 112 अति पिछड़े जिलों को बदलना है। इस योजना में गेट्स फाउंडेशन, पीरामल फाउंडेशन और टाटा ट्रस्ट भी फंडिंग दे रहे हैं। षणमुगरत्नम ने बताया कि योजना के तहत समुदायों को सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं, पैरा नर्सों और डेटा प्रणाली आदि का स्वामित्व दिया जा रहा है। इन्हें केंद्र सरकार से मदद मिलती है। खासकर मातृ स्वास्थ्य और बच्चों की सेहत को लेकर उल्लेखनीय काम हो रहा है। षणमुगरत्नम ने कहा कि उन्होंने भी कुछ ऐसे जिलों का दौरा किया था और देखा कि वे कैसे काम कर रहे हैं। योजना में गांव के लोगों को अधिकार दिए गए हैं। इस योजना से जुड़ी श्रीति पांडे ने बताया कि इस योजना के तहत महिलाओं को सशक्त किया जा रहा है और महिलाएं ही क्लीनिक और आंगनवाड़ी का संचालन कर रही हैं।

सनराइजर्स हैदराबाद बाहर, अब भी शीर्ष दो में जगह बना सकती है दिल्ली कैपिटल्स की टीम

नई दिल्ली। आईपीएल 2025 में सोमवार को सनराइजर्स हैदराबाद और दिल्ली कैपिटल्स के बीच मुकाबला बारिश से धुल गया। इस मैच से पहले तक सनराइजर्स के प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदें एक धागे से लटकी हुई थीं। टीम को बाकी बचे चार मैचों में जीत हासिल करनी ही थी, लेकिन सोमवार को बारिश ने पूरा खेल बिगाड़ दिया। अच्छी गेंदबाजी कर दिल्ली को कम स्कोर पर रोकने के बाद सनराइजर्स की टीम उम्मीद कर रही थी कि वह जल्द मैच खत्म करेंगे, लेकिन ऐसा नहीं हो पाया। बारिश के कारण दूसरी पारी का खेल नहीं हो सका और दोनों टीमों को एक–एक अंक बांटने पड़े। इसी के साथ सनराइजर्स की टीम प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गई। वहीं, दिल्ली की टीम के पास अब भी शीर्ष दो में जगह बनाने का मौका है। सोमवार को टीम की खराब बल्लेबाजी को बारिश ने बचा लिया और एक महत्वपूर्ण अंक उन्हें मिला। इस नतीजे के साथ अब लखनऊ सुपर जाएंट्स के लिए मुश्किलें खड़ी हो गई हैं। उन्हें बाकी बचे तीनों मैच में जीत दर्ज करनी ही होगी। एक भी हार उन्हें प्लेऑफ की रेस से बाहर कर देगी, क्योंकि अब 14 अंक क्वालिफिकेशन के लिए काफी नहीं होगा। छह टीमों के पास 16 या उससे ऊपर अंक अर्जित करने का मौका है।

प्लेऑफ में जगह पक्की करने के लिए दिल्ली कैपिटल्स को क्या चाहिए?

दिल्ली के तीन मैच बाकी हैं। उन्हें पंजाब किंग्स के खिलाफ उसके घर में खेलना है, फिर गुजरात टाइटंस के खिलाफ अपने घर में खेलना है। इसके बाद टीम मुंबई इंडियंस का उनके घर में सामना करेगी। तीनों ही मैच मुश्किल हैं, क्योंकि ये तीनों टीमें अंक तालिका में शीर्ष चार स्थान पर काबिज हैं। वहीं, दिल्ली की टीम 11 मैचों में छह जीत और चार हार के साथ अंक तालिका में पांचवें स्थान पर है। उसके 13 अंक हैं और एक मैच बेनतीजा रहा है। यह मानते हुए कि आगे किसी भी मैच में बारिश खलल नहीं डालेगी, दिल्ली कैपिटल्स के पास अब लीग को 13, 15, 17 या 19 अंकों पर समाप्त करने का मौका है। अगर दिल्ली की टीम 13 अंक हासिल करती है, यानी लगातार तीनों मैच हारती है, तो टीम प्लेऑफ की रेस से बाहर हो जाएगी। एक जीत से टीम की उम्मीदें कायम रहेंगी। अगर दिल्ली की

टीम 19 अंक हासिल करती है, यानी बाकी बचे तीनों मैच जीतती है तो टीम शीर्ष–दो में भी अपना स्थान पक्का कर सकती है। इस स्थिति में वह मुंबई से आगे ही रहेंगे और पंजाब के साथ उनके अंक समान रह सकते हैं। फिर नेट रन रेट मायने रखेगा। हालांकि, टीम को शीर्ष दो में जगह बनाने में तब कोई कठिनाई नहीं आएगी, अगर बेंगलुरु की टीम अपने बाकी बचे तीन में से दो मैच और गुजरात की टीम अपने बाकी बचे चार मैचों में से एक मैच हार जाती है। दिल्ली का अगला मुकाबला पंजाब से ही है और यह मैच डीसी के लिए जीतना बेहद जरूरी है। अगर दिल्ली का सफर 15 अंकों के साथ समाप्त होता है, तो यह टीम चाहेगी कि मुंबई इंडियंस गुजरात और पंजाब दोनों को हरा दे। संयोग से दिल्ली के भी अगले दो प्रतिद्वंद्वी यही दो टीमें हैं। इसके साथ ही दिल्ली यह भी मनाएगा कि कोलकाता नाइट राइडर्स और लखनऊ सुपर जाएंट्स एक–एक मैच हार जाएं। यदि दिल्ली की टीम दो मैच जीतने में कामयाब रहती है और 17 अंकों के साथ समाप्त करती है, तो केकेआर और पंजाब के साथ उनके अंक समान रह सकते हैं और टाई हो सकता है। इस स्थिति में आरसीबी, मुंबई और गुजरात में से कोई दो टीमें 18–18 अंक हासिल करेंगी और शीर्ष स्थान हासिल करने की दावेदार होंगी। ऐसे में केकेआर, पंजाब और दिल्ली के बीच नेट रन–रेट में चौथी टीम का फैसला होगा। यदि गुजरात अपने बाकी बचे चारों मैच जीतता है, तो उनका शीर्ष दो में जगह बनाना तय है। इस मामले में केवल आरसीबी ही 22 अंकों के साथ उनकी बराबरी कर सकता है। यदि एमआई और जीटी दोनों ही टीमें 20–20 अंकों पर समाप्त होती हैं, यानी मंगलवार को गुजरात के खिलाफ अगर मुंबई की टीम जीत हासिल करती है और उसके बाद गुजरात अपने बाकी बचे तीनों मैच जीतती है तो मुंबई और गुजरात दोनों के पास शीर्ष–दो पर रहते हुए लीग स्टेज को समाप्त करने का मौका होगा। हालांकि, यह आरसीबी के बाकी बचे मैचों के नतीजों पर निर्भर रहेगा। 18 अंक भी मुंबई के लिए प्लेऑफ में स्थान बनाने के लिए पर्याप्त होंगे, क्योंकि पंजाब और दिल्ली या दोनों के खिलाफ एमआई की जीत इन दोनों में किसी एक को अधिकतम 17 अंकों तक सीमित कर देगी। गुजरात के लिए भी 18 अंक पर्याप्त होंगे, भले ही वे दिल्ली और मुंबई के खिलाफ अपने मुकाबले हार जाएं। हालांकि, इस स्थिति में गुजरात को लखनऊ और चेन्नई पर जीत हासिल करनी ही होगी। इस स्थिति में आरसीबी, पंजाब, दिल्ली और मुंबई में से केवल तीन ही उनके बराबर या अधिक अंकों के साथ समाप्त हो सकते हैं, क्योंकि पंजाब, मुंबई और दिल्ली को आपस में ही मुकाबले खेलने हैं। मुंबई और गुजरात दोनों के लिए 16–16 अंक यानी एक–एक जीत प्लेऑफ में पहुंचाने के लिए केवल तभी पर्याप्त होगा जब कई अन्य परिणाम उनके पक्ष में जाएं। मुंबई के लिए इस स्थिति में उनका नेट रन रेट काम करेगा, जो फिलहाल लीग में सबसे ज्यादा है। यह समीकरण यह मानते हुए बनाया गया है कि कोई और मैच बेनतीजा नहीं होगा।

शुभमन पर है कप्तानी का दबाव ? टीम डायरेक्टर सोलंकी ने कही यह बात, जानें रबाडा की वापसी पर क्या बोले

मुंबई। आईपीएल 2025 में आज गुजरात टाइटंस का मुकाबला मुंबई इंडियंस से है। यह मुकाबला प्लेऑफ के नजरिये से दोनों टीमों के लिए काफी महत्वपूर्ण रहने वाला है। इस मैच से पहले जीटी के क्रिकेट निदेशक विक्रम सोलंकी ने कहा कि कप्तानी का भार कुछ खिलाड़ियों पर नकारात्मक प्रभाव डालता है, लेकिन शुभमन गिल ने बतौर कप्तान गुजरात टाइटंस के लिए अच्छा प्रदर्शन किया है। सोलंकी ने लीग में वापसी के लिए तैयार कगिसो रबाडा को लेकर भी बात की। उन्होंने कहा कि दक्षिण अफ्रीका के इस तेज गेंदबाज के प्रतिबंधित दवा के उपयोग से संबंधित सभी प्रक्रियाओं का अच्छे से पालन किया जा रहा है। गिल पिछले साल गुजरात टाइटंस के पूर्णकालिक कप्तान बने थे। उन्होंने इस सत्र में 10 मैचों में 51.66 की औसत और 162 से अधिक के स्ट्राइक रेट के साथ पांच अर्धशतक के साथ 465 रन बनाए हैं। इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर सोलंकी ने वानखेड़े स्टेडियम में टीम के अभ्यास सत्र के दौरान कहा, जहां तक टीम को लीड करने का सवाल है, गिल सच में अपनी भूमिका में ढल गए हैं। जब आपके पास शुभमन जैसा प्रतिभाशाली खिलाड़ी हो, जो कि एक असाधारण बल्लेबाज भी हैं, तो कभी–कभी आपको इस बात की चिंता हो सकती है कि नेतृत्व का कही नकारात्मक असर तो नहीं पड़ेगा। सोलंकी ने कहा, श्मुझे नहीं लगता कि ऐसा हुआ है। आप कभी–कभी देखते हैं कि लोग इस तरह की जिम्मेदारी वाली भूमिकाओं में कामयाब होते हैं और शुभमन निश्चित रूप से ऐसे ही रहे हैं।' आईपीएल तालिका में चौथे स्थान पर मौजूद टाइटंस के लिए गिल को पारी का आगाज करते हुए अपने बाएं हाथ के जोड़ीदार साई सुदर्शन का शानदार साथ मिला है। सुदर्शन ने इस सत्र में 10 मैचों में 50.40 की औसत और 154.12 की स्ट्राइक रेट के साथ पांच अर्धशतकों के साथ 504 रन बनाए हैं।

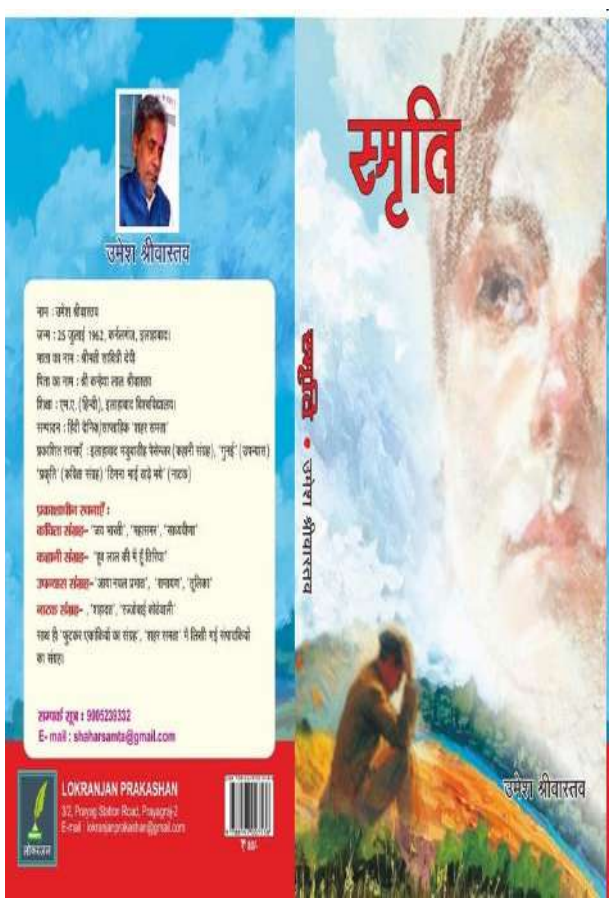

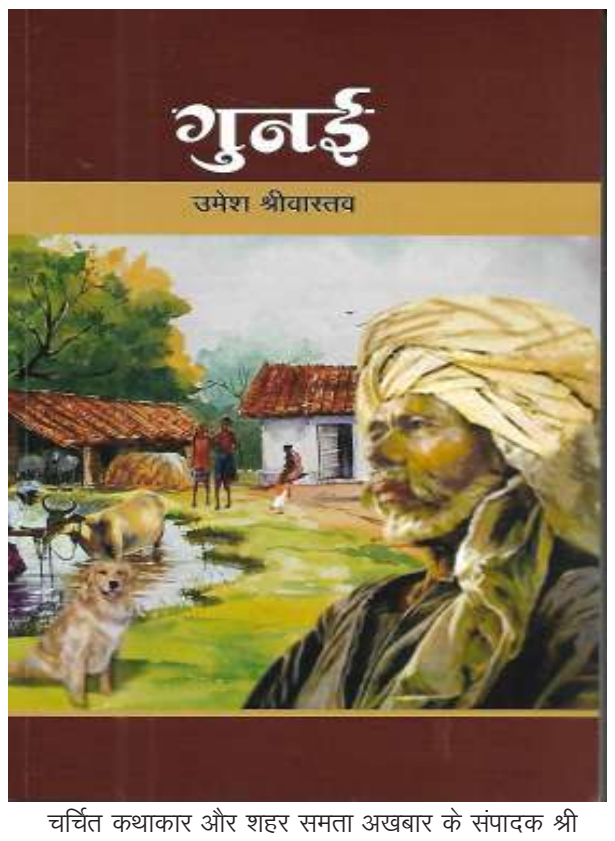

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

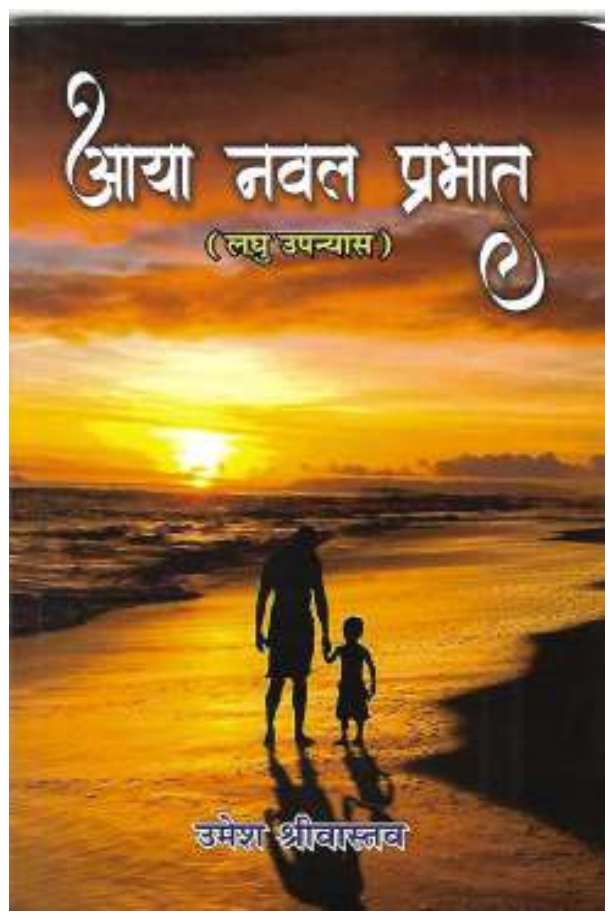

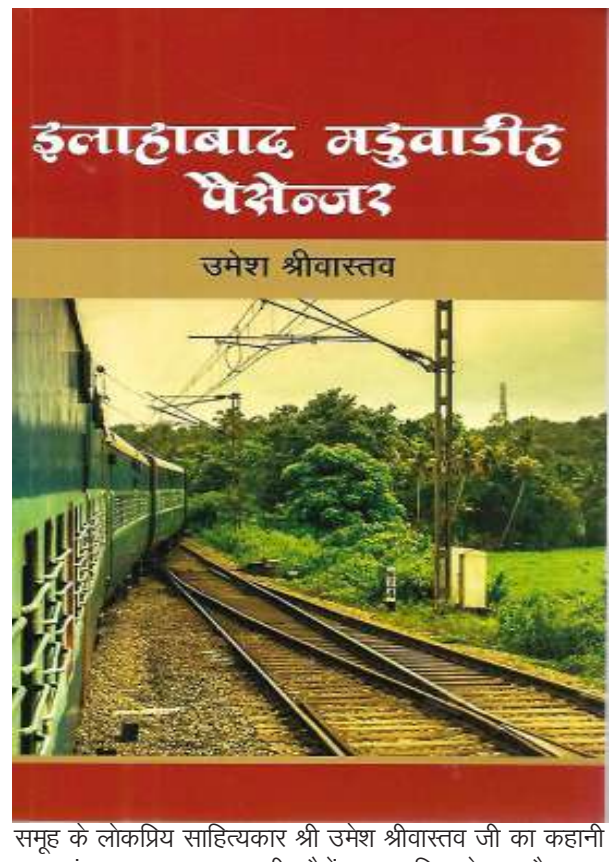

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

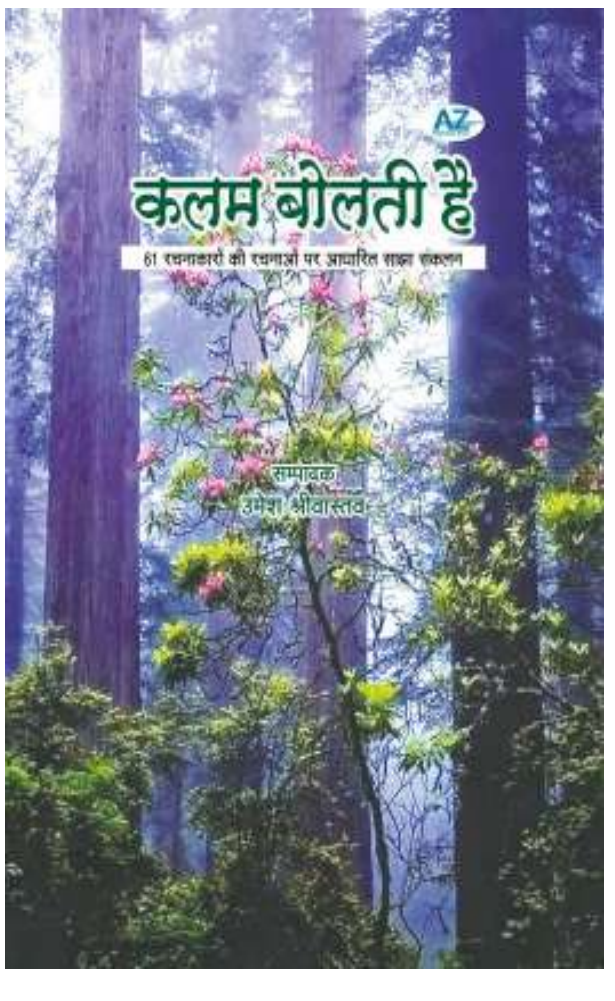

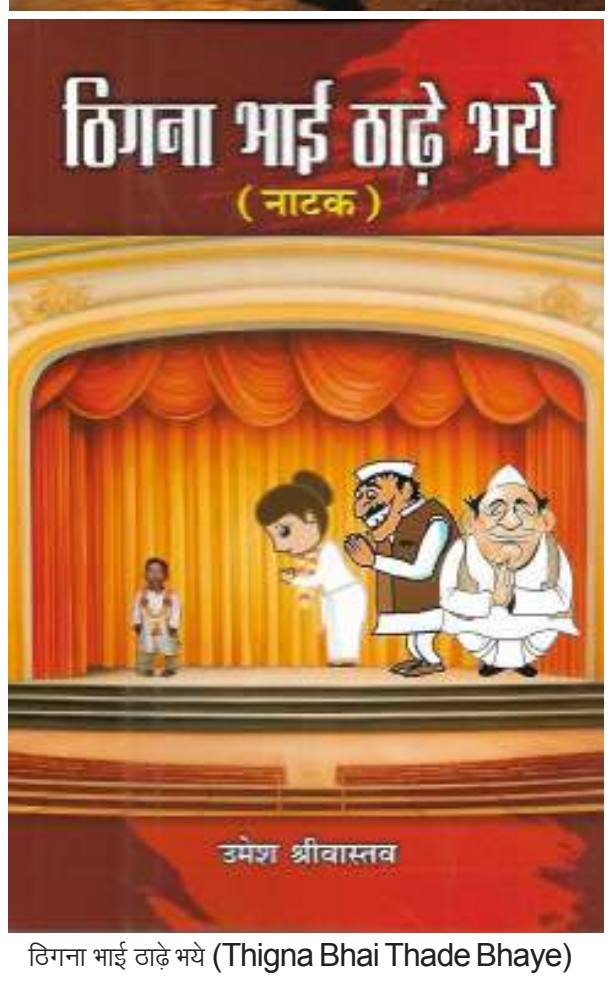

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

कौन हैं बलविंदर सहनी? भारतीय अरबपति को दुबई में क्यों हुई 5 साल की जेल

दुबई में रहने वाले भारतीय अरबपति बलविंदर सिंह साहनी, जिन्हें श्अबू सबाश के नाम से भी जाना जाता है, को पिछले हफ़्ते दुबई की एक अदालत ने मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप में पाँच साल की सज़ा सुनाई थी। गल्फ़ न्यूज़ के अनुसार, अदालत ने उनसे 150 मिलियन ।म्व (करीब 344 करोड़ रुपये) ज़ब्त करने का भी आदेश दिया है। दुबई के कुलीन वर्ग में एक प्रसिद्ध व्यक्ति साहनी को फर्जी कंपनियों और जाली चालान के नेटवर्क के माध्यम से 150 मिलियन AED की लूट का दोषी ठहराया गया है। दुबई की चौथी आपराधिक अदालत ने उन्हें पांच साल

की जेल की सजा सुनाई और 500,000 AED का जुर्माना लगाया। अदालत ने यह भी निर्देश दिया है कि साहनी को पांच साल की जेल की सजा काटने के बाद निर्वासित किया जाए। खलीज टाइम्स के अनुसार, मनी लॉन्ड्रिंग मामले में साहनी के साथ दोषी ठहराए गए 32 व्यक्तियों में उनका बेटा भी शामिल है। 53 वर्षीय व्यवसायी राज साहनी ग्रुप (ैल्ळ) के संस्थापक और अध्यक्ष हैं, जो यूएई, अमेरिका, भारत और अन्य देशों में परिचालन करने वाली एक संपत्ति विकास फर्म है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, ैल्ळ के दुबई पोर्टफोलियो में कई प्रमुख रियल एस्टेट संपत्तियाँ शामिल हैं जैसे कि दुबई स्पोर्ट्स सिटी में क़सर सबा आवासीय भवन, जुमेराह विलेज सर्कल में 24–मंजिला बुर्ज सबा, बे स्क्वायर, बिज़नेस बे में वाणिज्यिक संपत्तियाँ और सबा दुबई नामक एक पाँच सितारा होटल, अन्य। इस बीच, खलीज टाइम्स ने बताया कि साहनी अक्सर पारंपरिक अमीराती पोशाक में दिखाई देते हैं, जिसे आमतौर पर बेसबॉल कैप के साथ जोड़ा जाता है। इंस्टाग्राम पर साहनी के लगभग 3.3 मिलियन फॉलोअर्स हैं। वह अक्सर ईश्वरीय आशीर्वाद और अपनी माँ की प्रार्थनाओं के बारे में बात करते थे, और रिकॉर्ड तोड़ खरीदारी के माध्यम से धन का प्रदर्शन करते थे।

यूक्रेन ने रूस पर कर दी ड्रोन की बरसात, बंद करने पड़े मॉस्को के सभी एयरपोर्ट

रूस ने कहा कि यूक्रेन ने अपनी राजधानी मॉस्को को निशाना बनाते हुए लगातार दूसरी बार रात में ड्रोन हमला किया। रूसी विमानन प्राधिकरण रोसावियात्सिया के अनुसार, एहतियात के तौर पर मॉस्को के सभी चार प्रमुख हवाई अड्डों को कई घंटों के लिए अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया था। मॉस्को के मेयर सर्गेई सोब्यानिन ने सोशल मीडिया पर पुष्टि की कि कम से कम 19 यूक्रेनी ड्रोन को शहर में प्रवेश करने से पहले ही रोक दिया गया और नष्ट कर दिया गया, हमले विभिन्न दिशाओं से आ रहे थे। हालांकि किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है, लेकिन कथित तौर पर गिराए गए ड्रोन के टुकड़े राजधानी की ओर जाने वाले एक प्रमुख राजमार्ग पर गिरे, जिससे कुछ समय के लिए व्यवधान उत्पन्न हुआ। स्थानीय अधिकारियों के अनुसार, यूक्रेन के खार्किव शहर पर रूसी ड्रोन हमले में कम से कम 47 लोग घायल होने के कुछ दिनों बाद यह घटना घटी है। खार्किव के मेयर इहोर तेरेखोव ने कहा कि ड्रोन ने 2 मई को शहर में 12 स्थानों पर हमला किया। खार्किव क्षेत्रीय गवर्नर ओलेह सिनीहुबोव के अनुसार, हमले में आवासीय भवन, नागरिक बुनियादी ढांचे और वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। खार्किव पर हमले के बाद, यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर ज़ेलेंस्की ने देश के सहयोगियों से मजबूत, अधिक निर्णायक समर्थन का आग्रह किया था। ष्जबकि दुनिया निर्णय लेने में हिचकिचाती है, यूक्रेन में लगभग हर रात एक दुःस्वप्न में बदल जाती है, जिससे जान चली जाती है। यूक्रेन को मजबूत हवाई रक्षा की आवश्यकता है। हमारे भागीदारों – संयुक्त राज्य अमेरिका, यूरोप, हमारे सभी भागीदारों जो शांति चाहते हैं, से मजबूत और वास्तविक निर्णयों की आवश्यकता है। इस बीच, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा कि यूक्रेन में परमाणु हथियारों के इस्तेमाल की जरूरत नहीं पड़ी है और उन्हें उम्मीद है कि ऐसा नहीं होगा। टेलीग्राम पर प्रकाशित रूसी राज्य टेलीविजन के साथ आगामी साक्षात्कार के पूर्वावलोकन में, पुतिन ने कहा कि रूस के पास यूक्रेन में संघर्ष को ष्तार्किक निष्कर्षष् पर लाने की ताकत और साधन हैं।

चिन्मय दास पर चार और मामलों में गिरफ्तारी के आदेश, पहले से जेल में बंद हैं इस्कॉन के पूर्व पुजारी

ढाका। बांग्लादेश में हिंदू नेता और इस्कॉन के पूर्व पुजारी चिन्मय कृष्ण दास की मुश्किलें लगातार बढ़ती ही जा रही है। जहां बांग्लादेश की एक अदालत ने मंगलवार को चिन्मय कृष्ण दास को चार और मामलों में गिरफ्तार करने का आदेश दिया है। हालांकि इससे एक दिन पहले ही अदालत ने उन्हें एक हत्या के मामले में गिरफ्तार करने का आदेश दिया था, जिसके बाद उनकी गिरफ्तारी हुई थी। बता दें कि चिन्मय कृष्ण दास को पिछले साल 25 नवंबर को ढाका के हजरत शाहजलाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से देशद्रोह और राष्ट्रीय ध्वज के कथित अपमान के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद अगले ही दिन चट्टोग्राम की अदालत ने उनकी जमानत याचिका खारिज कर उन्हें जेल भेज दिया। उनकी गिरफ्तारी के बाद ढाका समेत देश के कई हिस्सों में उनके समर्थकों ने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया था।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर 9190052 39332

919450482227

पुतिन ने पहले फोन पर कहा– आतंकियों को ठोको, फिर भेज दिया वो घातक हथियार, 2 मिनट में 200 टैंक तबाह

पहलगाम आतंकी हमले को 13 दिन बीत चुके हैं और हर भारतीयों के मन में एक ही सवाल है कि भारत इस हमले का कब जवाब देगा? 2016 के उरी और 2019 के पुलवामा हमले के बाद भारत ने 11 और 12 दिनों के भीतर पाकिस्तान में सर्जिकल स्ट्राइक की थी। पहलगाम हमले के बाद प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के कड़े बयानों से संकेत मिल रहा है कि जवाबी कार्रवाई जल्द हो सकती है। पीएम मोदी जिस तरह से मीटिंग्स कर रहे हैं, उससे भी संकेत मिल रहे हैं कि भारत अब सैन्य कार्रवाई करने के लिए पूरी तरह से तैयार है। एक के बाद एक पीएम मोदी की मैराथन बैठक, रक्षा सचिव, वायु सेना प्रमुखों, नैसेना प्रमुख हर स्तर पर चर्चा सिर्फ एक दिशा में जा रही है। अबकी बार हिसाब पूरा होगा। भारत ठोस सबूत जुटाने में जुटा है और इसके बाद एक्शन लिया जाएगा जो पाकिस्तान को लंबे समय तक हिला कर रख दे। राजनाथ सिंह ने तो इशारों इशारों में संकेत भी दिया कि आपके मन मुताबिक ही प्लान चल रहा है। यानी देश की जनता जो चाह रही है वह होगा। लेकिन भारत की रणनीति से घबराया पाकिस्तान यूएनएससी की शरण में पहुंचा। लेकिन वहां भी उसे मुंह की खानी पड़ी है। पाकिस्तान जो हर बार आतंकवाद का मास्टरमाइंड बनकर निकलता है। उसकी खुद को बेचारा साबित करने की कोशिश भी काम नहीं आई है। यूएनएससी में बंद कमरे में सोमवार दोपहर को डेढ़ घंटे हुई बैठक के बाद पाकिस्तान की फजीहत हुई। संयुक्त राष्ट्र ने इस बैठक के बाद ना तो किसी तरह का आधिकारिक बयान जारी किया और ना किसी तरह का रिजॉल्यूशन पारित किया गया। एक तरफ कुछ इस्लामिक देश धर्म के नाम पर पाकिस्तान के साथ एकजुट हो रहे हैं। दूसरी तरफ दुनिया के तमाम मुल्क आतंकवाद के खिलाफ भारत के साथ खड़े हैं। भारत को आतंकवाद के खिलाफ पूरा समर्थन देने का ऐलान कर रहे हैं। ये भारत के सच्चे मित्र देश हैं। दिल्ली में बीते दिन भारत के ऐसे ही मित्र देश रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का फोन आया। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बात करते हुए राष्ट्रपति पुतिन ने पहलगाम हमले की कड़ी निंदा की। राष्ट्रपति पुतिन ने पीएम मोदी से दो बड़ी बातें कही जिसे सुनकर पाकिस्तान के हर दोस्त और भारत के हर दुश्मन के होश उड़ाने के लिए काफी हैं। पुतिन ने कहा कि पहलगाम हमले के दोषियों को न्याय के कटघरे में लाया जाना चाहिए। यान पुतिन ने पाकिस्तान पर सीधा निशाना साधा है। पुतिन ने प्रधानमंत्री मोदी से कहा कि रूस आतंकवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई का पूरा समर्थन करता है। इसका मतलब पाकिस्तान को सबक सिखाने के लिए अगर जंग होती है तो रूस भारत के साथ खड़ा रहेगा। रूस से एक दिन पहले ही एयर डिफेंस के लिए पोर्टेबल एग्ला मिसाइल्स भी भारत पहुंच चुकी है। देश की वायु रक्षा क्षमता में बड़ा इज़ाफा हुआ है। इन्हें अग्रिम मोर्चों पर तैनात किया जा रहा है ताकि दुश्मन के लड़ाकू विमान, ड्रोन और अटैक हेलिकॉप्टर को बेहद क़रीब से मार गिराया जा सके। इन मिसाइलों की आपूर्ति 250 करोड़ रुपये के विशेष खरीद अनुबंध के तहत की गई है, जिसे भारतीय सेना ने रूस के साथ हस्ताक्षरित किया था।

भारत–पाक तनाव के बीच जापान ने पलट दी बाजी, फंस गए धर्म के नाम पर साथ आए इस्लामिक देश

पाकिस्तान के साथ आए इस्लामिक राष्ट्रों का जवाब देने के लिए भारत के साथ रूस, इजरायल और जापान जैसे देश मजबूती से आकर खड़े हो गए हैं। धर्म के नाम पर तुर्कीए पाकिस्तान के साथ खड़ा है। रूस आतंकवाद के खिलाफ भारत के हर एक्शन का समर्थन कर रहा है। धर्म के नाम पर ईरान पाकिस्तान की निंदा नहीं कर रहा है। वहीं इजरायल आतंकवाद के खिलाफ भारत को पूर्ण समर्थन दे रहा है। धर्म के नाम पर मलेशिया पाकिस्तान की मांग का समर्थन कर रहा है। जापान ने आतंक के खिलाफ भारत को अपना समर्थन दिया है। जापान के रक्षा मंत्री जनरल नकातानी भी भारत पहुंचे। उन्होंने भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से बात की। पहलगाम हमले पर भारत के साथ एकजुटता दिखाई। इस मुद्दे पर भारत को पूर्ण समर्थन देने की पेशकश की। यानी जापान ने भी साफ कर दिया है कि इस जंग में आतंकवाद के खिलाफ और भारत के साथ मजबूती से खड़ा है। दोनों मंत्रियों ने भारत और जापान के बीच मजबूत समुद्री सहयोग में नए आयाम जोड़ने पर सहमति व्यक्त की। नकातानी की भारत यात्रा पाकिस्तान के साथ बढ़ते तनाव के बीच हुई है। प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता में अपने प्रारंभिक वक्तव्य में सिंह ने कहा कि मैं पहलगाम आतंकवादी हमले के मद्देनजर भारत के साथ एकजुटता की मजबूत अभिव्यक्ति के लिए जापान सरकार को धन्यवाद देना चाहता हूं। नकातानी ने पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की निंदा की और आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत के प्रति एकजुटता व्यक्त की। वैसे तो आतंकवाद को भारत अकेले ही मुंहतोड़ जवाब देने में सक्षम है। लेकिन अगर धर्म के नाम पर आतंकी देश झुंड में आते भी हैं तो भ भारत के साथ सहयोगियों की कमी नहीं है। दुनिया के कुछ देश ऐसे भी हैं जो भारत को संयम बरतने और पाकिस्तान के साथ तनाव कम करने की नसीहत भी दे रहे हैं। ऐसे देशों के लिए मोदी के गो टू मैन भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने खरी खर भी सुनाई है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने यूरोपीय देशों को दो टूक संदेश दिया। उन्होंने कहा कि भारत को प्रवचन या ज्ञान देने वाले नहीं, बल्कि परस्पर सम्मान और हितों पर आधारित दोस्त चाहिए। उल्लेखनीय है कि पहलगाम आतंकी हमले पर यूरोपीय संघ ने टिप्पणी करते हुए पाकिस्तान की आलोचना नहीं की थी। इसी टिप्पणी पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि कुछ दूसरों को नैतिकता सिखाते हैं लेकिन खुद उस पर अमल नहीं करते। जयशंकर ने रूस के साथ अमेरिका के साथ भी परस्पर हितों पर आधारित संबंधों की वकालत की। संदेश साफ है कि भारत को ज्ञान नहीं चाहिए। भारत दुनिया में सहयोगियों की तलाश कर रहा है। इन सहयोगियों को आतंकवाद के खिलाफ भारत के साथ युद्ध में भी खड़ा होना चाहिए। आने वाले वक्त में भारत भी सिर्फ ऐसे ही देशों का सहयोग करेगा जो भारत का साथ देंगे।

यूएन के सदस्यों ने जम्मू-कश्मीर हमले के बाद पाकिस्तान की परमाणु बयानबाजी और मिसाइल परीक्षणों पर चिंता जताई : सूत्र

भारत–पाकिस्तान के मध्य बढ़ते तनाव के बीच संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) ने बंद कमरे में इस मुद्दे पर चर्चा की, जिसमें राजदूतों ने संयम बरतने और संवाद करने का आह्वान किया। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के मई महीने के लिए अध्यक्ष यूनान ने पाकिस्तान के अनुरोध पर सोमवार को बैठक निर्धारित की थी। पाकिस्तान वर्तमान में सुरक्षा परिषद का एक अस्थायी सदस्य है। बैठक जम्मू कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा 26 लोगों की हत्या किए जाने के कुछ दिनों बाद हुई।

पाकिस्तान ने किया संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के मंच का दुरुपयोग

सूत्रों ने बताया संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने सोमवार को बंद कमरे में विचार–विमर्श किया, जिसमें कई संयुक्त राष्ट्र सदस्यों ने पाकिस्तान की भूमिका और बयानबाजी पर सवाल उठाए। पाकिस्तान, जो वर्तमान में शक्तिशाली परिषद का एक अस्थायी सदस्य है, ने परमाणु–सशस्त्र पड़ोसियों के बीच स्थिति पर ष्बंद कमरे में विचार–विमर्षष् का अनुरोध किया था। संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान के स्थायी प्रतिनिधि, असीम इफ्तिखार अहमद ने एक बार फिर भारत के खिलाफ झूठे दावे फैलाने के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के मंच का दुरुपयोग किया। पहलगाम आतंकी हमले से ध्यान हटाने के प्रयास में, जिसमें 26 नागरिक मारे गए थे, पाकिस्तान ने कश्मीर मुद्दे को उठाया और भारत पर सैन्य निर्माण और भड़काऊ बयान देने का आरोप लगाया।

संघर्ष का समाधान संवाद और शांतिपूर्ण तरीके से निकालने का आह्वान

सुरक्षा परिषद की यह बैठक सोमवार दोपहर को लगभग डेढ़ घंटे तक चली। बैठक का आयोजन 'यूएनएससी चौंबर' में नहीं बल्कि उसके बगल के परामर्श कक्ष में हुआ। सुरक्षा परिषद ने बैठक के बाद कोई बयान जारी नहीं किया लेकिन पाकिस्तान ने दावा किया कि उसके उद्देश्य ''काफी हद तक पूरे हो गए''। पाकिस्तान, वर्तमान में 15 सदस्यीय शक्तिशाली सुरक्षा परिषद का एक अस्थायी सदस्य है, जिसने परमाणु–हथियार संपन्न पड़ोसी देशों के बीच स्थिति को लेकर ''बंद कमरे में परामर्श'' का अनुरोध किया था। संयुक्त राष्ट्र में राजनीतिक और शांति निर्माण मामलों के विभाग (डीपीपीए) एवं शांति अभियान विभाग (डीपीओ) में पश्चिम एशिया, एशिया और प्रशांत मामलों के लिए सहायक महासचिव खालिद मोहम्मद खैरी ने दोनों विभागों की ओर से सुरक्षा परिषद को जानकारी दी। खैरी ट्यूनीशिया से हैं। बैठक से बाहर आकर खैरी ने कहा कि ''संघर्ष का समाधान संवाद और शांतिपूर्ण तरीके से निकालने'' का आह्वान किया गया। उन्होंने कहा कि ''स्थिति काफी अस्थिर है।''

संयुक्त राष्ट्र के सदस्यों ने पाकिस्तान की परमाणु बयानबाजी और मिसाइल परीक्षणों पर चिंता जताई

90 मिनट के सत्र के दौरान, परिषद के सदस्यों ने पाकिस्तान की बढ़ती परमाणु बयानबाजी और हाल ही में किए गए मिसाइल परीक्षणों पर चिंता जताई, जिसके बारे में उन्होंने कहा कि इसने क्षेत्रीय अस्थिरता में योगदान दिया है। प्रतिभागियों ने पाकिस्तान द्वारा फैलाए गए ष्झूठे झंडेष् की कहानी को भी खारिज कर दिया और घातक हमले के मद्देनजर जवाबदेही के लिए दबाव डाला। सूत्र ने कहा कि लश्कर–ए–तैयबा (एलईटी) की संभावित भागीदारी के बारे में भी सवाल उठाए गए और पर्यटकों को उनकी धार्मिक पहचान के लिए

निशाना बनाए जाने पर चिंता व्यक्त की गई। सूत्रों ने बताया कि इस मुद्दे को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उठाने की पाकिस्तान की कोशिशें नाकाम हो गईं, क्योंकि बैठक के बाद चीन समेत किसी अन्य सदस्य ने प्रेस बयान में शामिल नहीं हुआ। सत्र बिना किसी प्रस्ताव, बयान या प्रेस विज्ञप्ति के समाप्त हो गया, जिससे परामर्श के दौरान और उसके बाद पाकिस्तान प्रभावी रूप से अलग–थलग पड़ गया। सूत्रों ने बताया कि कई सदस्यों ने दोहराया कि भारत के साथ द्विपक्षीय मुद्दों को सीधे संवाद के माध्यम से हल किया जाना चाहिए।

सिंधु जल संधि को निलंबित करने का मुद्दा

पाकिस्तान ने भारत द्वारा 1960 की सिंधु जल संधि को निलंबित करने का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा, ''पानी जीवन है, हथियार नहीं। ये नदियां 24 करोड़ से अधिक पाकिस्तानियों का भरण–पोषण करती हैं।'' अहमद ने कहा कि बैठक में पाकिस्तान ने ''भारत सहित अपने सभी पड़ोसियों के साथ शांतिपूर्ण, सहयोगात्मक संबंधों के लिए अपनी प्रतिबद्धता'' दोहराई। यूएनएससी की बैठक से पहले संयुक्त राष्ट्र में भारत के पूर्व स्थायी प्रतिनिधि राजदूत सैयद अकबरुद्दीन ने 'पीटीआई–भाषा' से बातचीत में कहा था कि ऐसी चर्चा से कोई परिणाम की उम्मीद नहीं की जा सकती है ''जहां संघर्ष में शामिल एक पक्ष परिषद की अपनी सदस्यता का उपयोग करके धारणाओं को आकार देने की कोशिश करता है। भारत ऐसे पाकिस्तानी प्रयासों को विफल करेगा।

नेतन्याहू के वॉर कैबिनेट की मंजूरी, गाजा को पूरी तरह अपने कब्जे में लेगा इजराइल

इजराइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू के नेतृत्व वाली वॉर कैबिनेट ने गाजा पर पूरी तरह नियंत्रण और कब्जे की योजना को हरी झंडी दे दी है। नई योजना के तहत इजराइली सेना गाजा को अपने कब्जे में लेगी और अनिश्चितकाल तक वहां मौजूद रहेगी। इस योजना को लागू करने के लिए इजराइल सैन्य अभियानों का दायरा बढ़ाएगा। इजराइल का कहना है कि इस कदम से हमास को परास्त करने और गाजा में बंधक बनाए गए इजराइली नागरिकों को छुड़ाने में मदद मिलेगी। साथ ही इजराइल अब गाजा में सहायता वितरण का नियंत्रण भी अपने हाथ में लेने की योजना बना रहा है। इस योजना को मंजूरी तब मिली जब

इजरायली सैन्य प्रमुख ने कहा कि सेना हजारों रिजर्व सैनिकों को बुला रही है। योजना का विवरण औपचारिक रूप से घोषित नहीं किया गया था, और इसका सटीक समय और कार्यान्वयन स्पष्ट नहीं था। इस योजना को युद्ध विराम वार्ता में रियायतें देने के लिए हमास पर दबाव डालने की इजरायल की रणनीति के संदर्भ में देखा जा रहा है। एक इजरायली रक्षा अधिकारी के अनुसार, इस योजना को तब तक सामने नहीं लाया जाएगा जब तक कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प इस महीने मध्य पूर्व की अपनी अपेक्षित यात्रा पूरी नहीं कर लेते, जिससे इस बात की संभावना बनी रहती है कि इस बीच इजरायल युद्ध विराम पर सहमत हो सकता है। 2005 में, दशकों तक चले कब्जे के बाद इजरायल ने गाजा से अपना कदम वापस खींच लिया था। बाद में, उसने मिस्र के साथ मिलकर इस क्षेत्र पर नाकाबंदी कर दी। इस क्षेत्र पर अनिश्चित काल के लिए फिर से कब्ज़ा करने के इज़राइल के प्रयासों से न केवल फ़िलिस्तीनी राज्य की उम्मीदें और कम होंगी, बल्कि यह इज़राइल को एक ऐसी आबादी के बीच भी ले जाएगा जो इसके प्रति गहरी शत्रुतापूर्ण है और इस बात पर सवाल उठाएगा कि इज़राइल इस क्षेत्र पर शासन करने की योजना कैसे बना रहा है, खासकर ऐसे समय में जब वह ट्रम्प के गाजा पर कब्ज़ा करने के दृष्टिकोण को लागू करने पर विचार कर रहा है। मार्च के मध्य में इज़राइल–हमास युद्ध विराम समाप्त होने के बाद, इज़राइल ने इस क्षेत्र पर भयंकर हमले किए हैं जिसमें सैकड़ों लोग मारे गए हैं।

भारत को आतंकवाद के खिलाफ खड़ा होना होगा, अमेरिकी सदन में हुआ ऐलान, संसाधनों से मदद करेगा ट्रंप प्रशासन

अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के अध्यक्ष माइक जॉनसन ने कहा है कि पहलगाम हमले को लेकर नई दिल्ली और इस्लामाबाद के बीच बढ़ते तनाव के बीच वाशिंगटन आतंकवाद के खिलाफ भारत की रक्षा में उसका समर्थन करेगा। जॉनसन ने कैपिटल हिल में कांग्रेस की ब्रीफिंग में कहा कि भारत को आतंकवाद के खिलाफ खड़ा होना होगा।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता

स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित

सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332

आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466

Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।